श्रावण कृष्ण पक्ष-2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 26 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
31 जुलाई 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
30.4 अधिकतम
24.8 न्यूनतम

Page-7

कांग्रेस की रणनीति ही नहीं, अपने संगठन के समन्वय से भी लड़ती दिखी भाजपा

विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

दतिया उपचुनाव केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई नहीं था। भाजपा को एक साथ दो मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ा। पहला मुकाबला कांग्रेस से था, जबकि दूसरा अपनी ही पार्टी के भीतर डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों को लेकर बने अविश्वास और आशंकाओं से। यही कारण रहा कि दोनों दलों द्वारा पूरी ताकत झोंकने के बावजूद वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार मतदान करीब नौ प्रतिशत कम रहा। मतदान प्रतिशत में गिरावट के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी रही कि वर्षों से बूथ और पन्ना प्रबंधन संभाल रहे डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों की भूमिका सीमित किए जाने का असर भी चुनावी माहौल पर पड़ा।

कांग्रेस ने इस सीट को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर पूरा दम लगाया। जवाब में भाजपा ने भी संसाधनों की कोई कमी नहीं छोड़ी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार दतिया का दौरा करते रहे। एक दर्जन से अधिक मंत्री चुनावी मोर्चे पर डटे रहे। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और केंद्रीय सह-संगठन मंत्री शिवप्रकाश भी चुनावी रणनीति की कमान संभाले रहे। वर्ष 2008 से 2023 तक लगातार विधायक रहे और लगभग डेढ़ दशक तक प्रदेश सरकार के सबसे प्रभावशाली मंत्रियों में शामिल डॉ. नरोत्तम मिश्रा पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस के राजेंद्र भारती से 7,746 मतों से हार गए थे। तब मतदान लगभग 80 प्रतिशत हुआ था। इस बार भाजपा ने अप्रत्याशित रूप से उनका टिकट काटकर संघ पृष्ठभूमि के आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया। तिवारी संगठन में सक्रिय रहे, लेकिन दतिया के अधिकांश मतदाताओं के लिए अपेक्षाकृत नया चेहरा थे।

डॉ. मिश्रा पिछले कई महीनों से टिकट की उम्मीद में लगातार क्षेत्र में सक्रिय थे। वे मतदाताओं से संवाद कर रहे थे और पिछली हार के लिए अपनी चाही-अनचाही भूलों पर सार्वजनिक रूप से क्षमा भी मांग रहे थे। उनके समर्थकों ने 291 मतदान केंद्रों पर वर्षों से बूथ और पन्ना प्रबंधन की मजबूत संरचना बना रखी थी। उन्होंने अपना नामांकन पत्र भी खरीद लिया था और केवल पार्टी की औपचारिक घोषणा का इंतजार कर रहे थे। लेकिन अंतिम समय में पार्टी का फैसला बदल गया। टिकट कटने के बाद उनके समर्थकों की तीखी नाराजगी भाजपा के लिए असहज स्थिति बन गई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा। हालांकि स्वयं डॉ. मिश्रा ने पार्टी अनुशासन का परिचय दिया। उन्होंने समर्थकों को शांत कराया और अधिकृत प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष में पूरी सक्रियता से प्रचार भी किया।हालांकि बीजेपी की शिकायत पर नरोत्तम मिश्रा समर्थक कुछ प्रभावी और पार्षद स्तर के कुछ नेताओं को पुलिस ने डिटेन भी किया ।

पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल ने कहा कि शिकायतों के आधार पर कांग्रेस के दो और भाजपा के पांच-छह नेताओं को एहतियातन हिरासत में लेकर समझाइश दी गई थी। निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित होने के बाद करीब दो घंटे में सभी को छोड़ दिया गया। इसके बावजूद राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा बनी रही कि पार्टी नेतृत्व का संदेह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार डॉ. मिश्रा को सार्वजनिक मंचों पर सम्मानजनक स्थान तो मिला, लेकिन चुनावी रणनीति और संगठनात्मक निर्णयों से काफी हद तक अलग रखा गया। मतदान से दो दिन पहले जिन पुलिस अधिकारियों के तबादले किए गए, उनमें कई ऐसे अधिकारी बताए जाते हैं जिन्हें डॉ. मिश्रा के निकट माना जाता था। बूथ और पन्ना स्तर पर भी पुराने कार्यकर्ताओं की भूमिका सीमित रखी गई और उनकी गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई, ताकि किसी संभावित भीतरघात की आशंका न रहे।

यही वजह रही कि चुनाव के दौरान भाजपा का पूरा ध्यान केवल कांग्रेस की रणनीति पर ही नहीं, बल्कि अपने संगठन के भीतर समन्वय बनाए रखने पर भी केंद्रित रहा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दतिया में भाजपा की यह अतिरिक्त सतर्कता बताती है कि पार्टी इस चुनाव को किसी भी कीमत पर जोखिम में नहीं छोड़ना चाहती थी। उधर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एसपी से मिलकर दतिया में रुके कुछ बाहर से आए भाजपाइयों को चुनाव प्रचार थामने के बाद चुनाव क्षेत्र की सीमा से बाहर कराया । पटवारी और जयवर्धन सहित कई नेता दतिया छोड़ने के बाद झाँसी में रुककर हालत की निगरानी करते रहे । कांग्रेसी नेता और पूर्व मंत्री डॉ गोविंद सिंह दतिया से सटे भिंड से स्थिति पर नजर रखे रहे ।

अब निगाहें 3 अगस्त की मतगणना पर हैं। तभी साफ होगा कि संघ के एक प्रभावशाली नेता के हस्तक्षेप से प्रत्याशी बदलने का भाजपा का फैसला कितना सफल रहा। यह भी स्पष्ट होगा कि मतदाताओं ने संगठन की रणनीति पर भरोसा जताया या डॉ. नरोत्तम मिश्रा की व्यक्तिगत राजनीतिक पकड़ चुनाव परिणामों पर निर्णायक असर छोड़ सकी। फिलहाल दोनों दल अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं, जबकि राजनीतिक हलकों में मुकाबले को बेहद कांटे का माना जा रहा है। कुछ स्थानीय राजनीतिक पर्यवेक्षक कांग्रेस की स्थिति को अपेक्षाकृत बेहतर मान रहे हैं, लेकिन अंतिम फैसला मतपेटियों में बंद है।

आजाद समाज पार्टी की सेंधमारी

समाजवादी पार्टी के झांसी के कुछ प्रभावी नेता भीम आर्मी के पोलिटिकल फ्रंट आजाद समाज पार्टी के दामोदर यादव दलित वोटर्स में सेंधमारी करते रहे । इससे यादव वोट बैंक में बीजेपी और झाँसी के समाजवादी पार्टी के कुछ प्रभावी नेताओं ने सेंधमारी की तो कुछ यादव वोटर्स का फ़ायदा बीजेपी को मिला लेकिन दामोदर यादव से जुड़े दलित समाज के जो वोटर नरोत्तम को वोट करते थे वह बीजेपी से छिटकते दिखे । यानी आजाद समाज पार्टी से कांग्रेस को जो सीधा नुकसान होता दिख रहा था वह बीजेपी और कांग्रेस के बीच बँट गया । बीजेपी के संवाद प्रमुख आशीष अग्रवाल से लेकर नरोत्तम मिश्रा तक बीजेपी की जीत का दावा करते दिखे । उधर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी घनश्याम सिंह की जीत के प्रति पूरी तरह आश्वश्त दिख रहे हैं ।

शिकायतों से लगभग मुक्त रहा मतदान

मतदान के दिन कुछ स्थानीय विवादों को छोड़ दें तो पूरा चुनाव अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहा। कांग्रेस ने सिरोल और जिगना में फर्जी मतदान तथा बूथ क्रमांक-51 पर बूथ कैप्चरिंग की कोशिश का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी कहा कि कुछ मतदान केंद्रों पर वीवीपैट, बैलेटिंग यूनिट और कंट्रोल यूनिट में तकनीकी खराबी आने के कारण मशीनें बदलनी पड़ीं। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने बाहरी लोगों से फर्जी मतदान कराने का आरोप लगाया तथा सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने इन आरोपों को कांग्रेस की संभावित पराजय की आशंका से उपजी हताशा बताया।

भारत डेमोग्राफिक रिसर्च का एग्जिट पोल

कुल मतदाता	मतदान प्रतिशत	कुल पड़े वोट (अनुमानित)	मार्जिन ऑफ एरर
2,20,344	70.25%	1,54,792	±3% (95% विश्वशनीनता स्तर)

पार्टी / प्रत्याशीवार एग्जिट पोल परिणाम

क्रम	पार्टी	प्रत्याशी	अनुमानित वोट शेयर	अनुमानित वोट	बढ़त
1.	भारतीय जनता पार्टी	आशुतोष तिवारी	50.0% ±3%	77,396	+10.3% लगभग 15,944 वोट
2.	कांग्रेस	कुंवर घनश्याम सिंह	39.7% ±3%	61,452	-
3.	आजाद समाज पार्टी	दामोदर यादव	7.1% ±3%	10,990	-
4.	अन्य		3.2% ±3%	4,953	-

आशुतोष तिवारी (भाजपा) को 15944 वोट की अनुमानित बढ़त

न्यूज विंडो

मोदी के एडिटेड वीडियो पर एक्शन मेटा इंडिया हेड पर एफआईआर

हैदराबाद। हैदराबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने पीएम मोदी के खिलाफ एडिट किए गए आपत्तिजनक वीडियो के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने मेटा के इंडिया हेड अरुण श्रीनिवास और कई फेसबुक-इंस्टाग्राम अकाउंट्स के खिलाफ केस दर्ज किया है। दरअसल, एआई द्वारा तैयार की गई आपत्तिजनक सामग्री से सामाजिक शांति बिगड़ने का आरोप लगाते हुए तेलंगाना के दो निवासियों की शिकायत पर यह एफआईआर दर्ज की गई है।

निजी कारणों से शहजाद पूनावाला ने भाजपा से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे शहजाद पूनावाला ने कथित तौर पर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अपने फैसले के पीछे उन्होंने निजी कारण बताए हैं। हालांकि, अभी तक इस बारे में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में आज यह जानकारी दी गई।

पूनावाला ने अपने एक्स प्रोफाइल के बायो में अब भाजपा का जिक्र नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'जीवनभर का समर्थक' बताया है।

हिंदी भवन से जुड़े पद्मश्री कैलाशचंद्र पंत का निधन

भोपाल। वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार और हिंदी भवन भोपाल के पूर्व मंत्री-संचालक पद्मश्री कैलाश चंद्र पंत का लंबी बीमारी के बाद आज सुबह निधन हो गया। वे 90 वर्ष के थे और एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनकी अंतिम यात्रा कल 01 अगस्त, शनिवार को प्रातः 10 बजे सी1/2, कंफर्ट शैलेट, चूना भट्टी से भदभदा विश्राम घाट जाएगी।

पहाड़ों की बारिश का असर

उफान पर गंगा-घाघरा, हाई-वे तक पहुंचा पानी, गुजरात में स्कूल बंद

» कई राज्यों में भारी बरसात का अलर्ट

लखनऊ, एजेंसी

यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वहीं, बिजनौर में गंगा का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है।

गुजरात में आज सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, उत्तराखंड में भी खराब मौसम को देखते हुए बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भी आज स्कूल बंद हैं। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर, बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। इसकी वजह पश्चिम की तरफ से आ रही गर्म हवाएं हैं।

मध्य प्रदेश में मानसून के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं। इसके चलते अगले 2 दिन प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा राजस्थान, बिहार समेत 7 राज्यों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बिजनौर के पास स्टेट हाईवे के ऊपर से बहता पानी।

ओडिशा में बाढ़ से हाहाकार, 1.89 लाख लोग को सुरक्षित स्थानों पर किया शिफ्ट

भुवनेश्वर। महानदी और उसकी प्रमुख शाखा नदी काठजोड़ी में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। आशंका है कि जल्द ही मुंडली और नराज में बाढ़ का पानी खतरे के निशान को पार कर सकता है। रिपोर्ट लिखे जाने तक मुंडली में 8.80 लाख क्यूसेक पानी बह रहा था और जलस्तर खतरे के निशान से मात्र डेढ़ फीट नीचे था। प्रशासन ने एहतियातन आठगढ़ सब-डिवीजन के लगभग 1,500, बांकी के 600, कटक सदर के 800 और कटक नगर निगम क्षेत्र के 1,000 लोगों को बाढ़ आश्रय स्थलों में पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

खंडवा और सेंधवा में साढ़े 4 इंच बारिश, टापू पर फंसे चार लोगों का रेस्क्यू

प्रदेश के मालवा-निमाड़ में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। आज उज्जैन समेत 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम केंद्र के अनुसार, रतलाम, झाबुआ, आलीराजपुर और धार में अति भारी बारिश हो सकती है। वहीं नीमच, आगर मालवा, उज्जैन, देवास, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और छिंदवाड़ा में भारी बारिश की संभावना है। बड़वानी जिले के सेंधवा ब्लॉक में 24 घंटे में साढ़े चार इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए। खंडवा में 24 घंटे के दौरान 128 मिमी (5 इंच से ज्यादा) बारिश रिकॉर्ड की गई। कपास और मक्का की फसलों को नुकसान पहुंचा है। आबना और सुक्ता नदी में तेज बहाव के कारण हांड़ी-कुंडी गांव के पास बने टापू पर चार लोग फंस गए। सूचना मिलने पर खंडवा और इंदौर की एसडीआरएफ टीम ने करीब साढ़े 10 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर चारों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, डिजिटल दस्तावेज ही स्वीकार

शहरी क्षेत्रों में बिल्डिंग परमिशन के लिए NOC की बाध्यता खत्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में अब घर या अन्य भवन बनाने की अनुमति लेना पहले से आसान होगा। राज्य सरकार ने बिल्डिंग परमिशन के लिए कई विभागों से अनिवार्य रूप से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लाने की बाध्यता खत्म कर दी है। अब हाउसिंग सोसायटी, नजूल और बिजली विभाग समेत कई मामलों में आवेदकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही भवन अनुज्ञा की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और केवल डिजिटल दस्तावेज ही स्वीकार किए जाएंगे।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इस संबंध में सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी किए हैं। अपर मुख्य सचिव संजय दुबे द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, भवन अनुज्ञा प्रक्रिया को सरल, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए यह बदलाव किए गए हैं। सरकार का कहना है कि इससे आम नागरिकों के साथ निवेशकों, बिल्डर्स और निर्माण एजेंसियों को भी राहत मिलेगी।

21 दिन के भीतर देनी होगी अनापत्ति या आपत्ति

अब तक सहकारिता विभाग एवं गृह निर्माण सहकारी समितियों, नजूल और बिजली विभाग से NOC मांगी जाती है। रक्षा प्रतिष्ठानों, मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल तथा विकास प्राधिकरणों से जुड़े मामलों में भी अब ऐसा नहीं होगा। यदि किसी मामले में संबंधित विभाग की राय आवश्यक होगी तो सक्षम प्राधिकारी आवेदन मिलने के सात दिन के भीतर प्रकरण संबंधित विभाग को भेजेगा। विभाग को 21 दिन के भीतर अपनी अनापत्ति या आपत्ति देनी होगी। तय समय में जवाब नहीं मिलने पर भवन अनुमति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकेगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण और हेरिटेज क्षेत्रों से संबंधित NOC केवल उन्हीं मामलों में जरूरी होगी, जहां ऑनलाइन GIS आधारित जांच में भूखंड प्रतिबंधित या प्रभावित क्षेत्र में पाया जाएगा। अन्य मामलों में इनकी जरूरत नहीं होगी।

आज का कार्टून

राजनीतिक-सामाजिक बहस

खड़गे का बयान: फिर बोतल से बाहर आया 'मनुस्मृति' का जिन्न

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'मनुस्मृति' संबंधी बयान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक तो हुई ही, इस पर एक बार फिर से बहस छिड़ने के आसार हैं। खड़गे ने चर्चा के दौरान आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कुछ नीतियों और कार्यप्रणाली में 'मनुस्मृति की सोच' दिखाई देती है। उनके इस कथन पर भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया और इसे हिंदू परंपराओं एवं आस्थाओं का अपमान बताया। विरोध के चलते सदन में कुछ समय के लिए हंगामे की स्थिति भी बनी।

भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस बार-बार हिंदू धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं

को राजनीतिक विवाद का विषय बनाती है। पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस और वामपंथी दल लंबे समय से हिंदू मान्यताओं एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण रखते रहे हैं। वहीं कांग्रेस का कहना है कि उसका विरोध किसी धर्म या आस्था से नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा देने वाली विचारधाराओं से है।

हमले रोकने वाला प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में फेल, 49-50 वोट से गिरा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई सीमित करने वाला प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। इसके लिए वोटिंग हुई, जिसमें यह 49-50 के अंतर से खारिज हो गया। पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अभी यह विधेयक सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी समिति में अटका हुआ है। प्रस्ताव लाने वाले सांसद चाहते थे कि इसे पूरे सीनेट में चर्चा और वोटिंग के लिए पेश किया जाए। अब इसे पूरे सीनेट में लाने के लिए सांसदों को दोबारा कोशिश करनी होगी। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ जाता, तो ईरान के खिलाफ हमले शुरू करने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति अकेले ऐसा फैसला नहीं ले सकते थे।

महाराष्ट्र के भिवंडी में हादसा

मरम्मत करते समय 4 मंजिला बिल्डिंग ढही, 9 लोगों की मौत

भिवंडी, एजेंसी

महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे निवासियों ने इमारत में कुछ जोरदार चटकने की

आवाजें सुनीं। किसी अनहोनी के डर से स्थानीय लोगों ने तुरंत कई परिवारों को दूसरी जगहों पर पहुंचाने में मदद की। जब कुछ लोग अभी भी बाहर निकल ही रहे थे, तभी इमारत की बी विंग ढह गई। घटनास्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, ठाणे रिस्पॉन्स फोर्स और फायर ब्रिगेड की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं।

जर्जर भवन में पढ़ने को मजबूर छात्र, हर पल हादसे का खतरा

नरेला स्थित शंकरी शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की बदहाल इमारत पर प्रशासन की अनदेखी, अभिभावकों ने की तत्काल कार्रवाई की मांग

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के नरेला क्षेत्र स्थित शंकरी शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की इमारत लगातार जर्जर होती जा रही है। विद्यालय की दीवारों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं, जबकि छत का प्लास्टर कई जगहों से उखड़ रहा है। भवन के कई हिस्से कमजोर हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद छात्र-छात्राएं रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों के अनुसार विद्यालय भवन की मरम्मत और नए भवन के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन संबंधित विभाग और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बारिश के मौसम में हालात और गंभीर हो जाते हैं। छत से पानी टपकने और प्लास्टर गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

अभिभावकों का कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। उनका आरोप है कि प्रशासन किसी दुर्घटना के बाद ही कार्रवाई करेगा, जबकि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि विद्यालय भवन का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कराया जाए और जर्जर हिस्सों की मरम्मत या नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

ओंकारेश्वर हादसे के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश

खुले बोरवेल-सेप्टिक टैंक पर अब होगी कार्रवाई लापरवाह अफसरों की जा सकती है नौकरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में खुले बोरवेल और असुरक्षित सेप्टिक टैंकों से होने वाले हादसों को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अब ऐसी घटनाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन से लेकर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई की जाएगी। ओंकारेश्वर में तीन वर्षीय मासूम की मौत के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हर दुर्घटना में जिम्मेदारी तय कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

सरकार के निर्देशों के अनुसार, किसी भी हादसे के बाद संबंधित प्रकरण की विभागीय जांच कराई जाएगी। प्रारंभिक जांच में लापरवाही मिलने पर अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाएगा, जबकि दोष सिद्ध होने पर सेवा से बर्खास्त करने की कार्रवाई भी की जा सकेगी।

प्रदेश में पहले भी खुले और असुरक्षित सेप्टिक टैंकों के कारण कई दर्दनाक हादसे हो चुके हैं। हाल ही में ओंकारेश्वर में खुले टैंक में गिरने से नागपुर के तीन वर्षीय तनुष की मौत हो गई थी। इससे पहले बैतूल और जबलपुर में भी ऐसी घटनाओं में लोगों की जान जा चुकी है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के सहायक संचालक सर्वेंद्र पांडेय ने बताया कि केंद्र सरकार की नमस्ते योजना के तहत सीवर और सेप्टिक टैंकों की खतरनाक सफाई को पूरी तरह खत्म कर मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही, हादसों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

प्रदेश में पहले भी हो चुके हैं कई हादसे

मध्यप्रदेश में खुले और असुरक्षित सेप्टिक टैंकों के कारण कई दर्दनाक हादसे हो चुके हैं। 26 अक्टूबर 2025 को जबलपुर के एक अस्पताल परिसर में बने खुले सेप्टिक टैंक में गिरने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई थी। वहीं, 10 जून 2026 को बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र में सेप्टिक टैंक की सेंटरिंग निकालते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से संजय पंवार और विजय पंवार नामक दो भाइयों की मौत हो गई थी। सरकार ने सभी नगरीय निकायों और स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि खुले बोरवेल और सेप्टिक टैंकों को तत्काल सुरक्षित किया जाए। अधिकारियों का मानना है कि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो ऐसे हादसे आगे भी जारी रह सकते हैं।

25 जुलाई को हुए हादसे के बाद बदला सरकार का रवैया

25 जुलाई 2026 को ओंकारेश्वर के ब्रह्मपुरी पार्किंग क्षेत्र में खुले सेप्टिक टैंक में गिरने से नागपुर के तीन वर्षीय मासूम तनुष की मौत हो गई थी। बताया गया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान नगर परिषद ने टैंक को खुला छोड़ दिया था। इस घटना ने प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना के बाद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। अब हर हादसे में जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ विभागीय जांच की जाएगी। सरकार का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर खुले बोरवेल और सेप्टिक टैंक किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

राजधानी में अवैध अतिक्रमण का मामला

तीन हफ्ते में कार्रवाई नहीं हुई तो एसडीएम और तहसीलदार होंगे जवाबदेह : एनजीटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो

बड़ा तालाब, कालियासोत और केरवा डैम के आसपास वर्षों से चले आ रहे अवैध अतिक्रमण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने प्रशासन के प्रति कड़ा रुख अपनाया है। एनजीटी की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच ने स्पष्ट किया है कि वेटलैंड, फुल टैंक लेवल (एफटीएल) और प्रतिबंधित क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की पूरी जिम्मेदारी संबंधित एसडीएम और तहसीलदार की होगी। यदि तीन सप्ताह के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जवाब देना पड़ेगा।

राशिद नूर खान, आर्या श्रीवास्तव और डॉ. सुभाष सी. पांडेय की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अतिक्रमण हटाने संबंधी रिपोर्ट पेश की, लेकिन न्यायाधिकरण इससे संतुष्ट नहीं हुआ। एनजीटी ने निर्देश दिए हैं कि सभी अवैध निर्माणों की सूची तैयार कर कुल अतिक्रमण, हटाए गए कब्जे और शेष मामलों का ब्यौरा शपथपत्र के साथ प्रस्तुत किया जाए। सरकार ने बताया कि प्रेमपुरा, धर्मपुरी, सेवनिया गोंड, गौरा गांव, बिशनखेड़ी, बीलखेड़ा और कोटरा सुल्तानाबाद में 117 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। इनमें से 45 हटाए जा चुके हैं, जबकि 72 अब भी बने हुए हैं। सुनवाई के दौरान प्रशासन ने पुलिस बल की कमी और बारिश का हवाला देते हुए समय मांगा, लेकिन एनजीटी ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि कार्रवाई समिति में पुलिस अधिकारियों को शामिल किया जाए, ताकि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

मड रेसिंग और ऑफ-रोड वाहनों पर भी एनजीटी की सख्ती

भोज वेटलैंड, बड़ा तालाब, केरवा और कालियासोत के एफटीएल क्षेत्र में बारिश के दौरान होने वाली मड रेसिंग और ऑफ-रोड वाहनों की गतिविधियां भी एनजीटी के निशाने पर हैं। आवेदक पक्ष ने इसे पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन ने न्यायाधिकरण को बताया कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में मड रेसिंग करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और निगरानी के लिए अधिकारियों की तैनाती भी की गई है। हालांकि, एनजीटी ने स्पष्ट किया कि केवल एफआईआर दर्ज करना पर्याप्त नहीं है। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि वेटलैंड और एफटीएल क्षेत्रों में पर्यावरणीय नियमों का सख्ती से पालन हो और भविष्य में ऐसी गतिविधियां पूरी तरह बंद हों।

सात गांवों में 117 अवैध कब्जे, 72 अब भी बरकरार

बड़े तालाब के 50 मीटर एफटीएल क्षेत्र से लगे सात गांवों—प्रेमपुरा, धर्मपुरी, सेवनिया गोंड, गौरा, बिशनखेड़ी, बीलखेड़ा और कोटरा सुल्तानाबाद—में सर्वे के दौरान कुल 117 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। इनमें 68 कब्जे सरकारी और 49 निजी भूमि पर पाए गए हैं। सरकार के अनुसार अब तक 45 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं, जबकि 72 कब्जे अभी भी मौजूद हैं। इनमें 45 सरकारी और 27 निजी भूमि पर बने हुए हैं। एनजीटी ने संबंधित अधिकारियों को तीन सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट और कार्रवाई का पूरा ब्यौरा शपथपत्र के साथ प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

भोपाल और संत हिरदाराम नगर से उज्जैन के लिए चलेंगी 3 जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेनें

भोपाल. दोपहर मेट्रो

श्रावण मास में महाकाल दर्शन और सीहोर जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। रेल प्रशासन ने उज्जैन-भोपाल और उज्जैन-संत हिरदाराम नगर के बीच तीन जोड़ी अनारक्षित (जनरल) मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की शुरुआत की है। ये ट्रेनें 28 जुलाई से सितंबर के दूसरे सप्ताह तक प्रतिदिन चलेंगी, जिससे हजारों श्रद्धालुओं को सुगम और किफायती यात्रा सुविधा मिलेगी।

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 09305/09306 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर मेला स्पेशल 28 जुलाई से 8 सितंबर तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे उज्जैन से रवाना होकर दोपहर 1:30 बजे संत हिरदाराम नगर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन दोपहर 2:20 बजे संत हिरदाराम नगर से चलकर शाम 7:30 बजे उज्जैन पहुंचेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 09307/09308 उज्जैन-भोपाल मेला स्पेशल रात 9 बजे उज्जैन से रवाना होकर तड़के 2:20 बजे भोपाल पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन सुबह 3:10 बजे भोपाल से चलकर सुबह 8 बजे उज्जैन पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 09313/09314 शाम 4 बजे उज्जैन से रवाना होकर रात 12:10 बजे संत हिरदाराम नगर पहुंचेगी और वापसी में रात 1 बजे संत हिरदाराम नगर से चलकर सुबह 6 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इन ट्रेनों का ठहराव तराना रोड, मक्सी, बेरछा, कालीसिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल और सीहोर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले समय-सारिणी की जानकारी लेने की अपील की है।

कोलार रोड में साइबर ठगों का नया जाल, बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर भेजी फर्जी फाइल

बिजली कट जाएगी...एक मैसेज और 2.23 लाख की ठगी एपीके फाइल डाउनलोड करते ही बुजुर्ग का खाता हुआ खाली

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में साइबर ठगों ने बिजली कनेक्शन काटने की धमकी देकर एक सेवानिवृत्त निजी कर्मचारी से 2.23 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी और उसे डाउनलोड कराते ही बुजुर्ग के मोबाइल और बैंकिंग सिस्टम तक पहुंच बना ली।

पुलिस के मुताबिक, कोलार रोड स्थित भूमिका रेजिडेंसी, शिर्डीपुरम निवासी 59 वर्षीय रमेश कुमार महापात्रा के मोबाइल पर 11 जुलाई की शाम एक संदेश आया। संदेश में लिखा था कि यदि रात 9:30 बजे तक बिजली बिल अपडेट नहीं किया गया तो उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। इसके साथ एक मोबाइल नंबर भी दिया गया था, जिस पर संपर्क करने के लिए कहा गया था। रमेश कुमार ने जब उस नंबर पर फोन किया तो दूसरी ओर मौजूद व्यक्ति ने खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताया। उसने तकनीकी समस्या का हवाला देते हुए व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी और उसे तुरंत डाउनलोड कर इंस्टॉल करने के लिए कहा। फाइल डाउनलोड करने के कुछ ही मिनटों बाद रमेश के मोबाइल पर लगातार ओटीपी और बैंक ट्रांजेक्शन के संदेश आने लगे। उन्हें ठगी का संदेह हुआ तो उन्होंने तत्काल इंडियन ओवरसीज बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क किया। जांच में पता चला कि उनके क्रेडिट कार्ड से कई ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं। बाद में बैंक स्टेटमेंट की जांच करने पर सामने आया कि साइबर अपराधियों ने क्रेडिट कार्ड से 1.46 लाख और बैंक खाते से 76,763.70 रुपये निकाल लिए हैं। पीड़ित की शिकायत पर कोलार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर — बिजली, राजस्व और नगरीय सेवाओं से जुड़ी शिकायतें सबसे ज्यादा

12 साल की हुई सीएम हेल्पलाइन 181, हर महीने 4 लाख से ज्यादा शिकायतें

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) ने गुरुवार, 31 जुलाई को अपने 12 वर्ष पूरे कर लिए। वर्ष 2012 में शुरू की गई इस सेवा का उद्देश्य लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से बचाना था, लेकिन मौजूदा स्थिति बताती है कि बड़ी संख्या में शिकायतें अब भी समय पर नहीं सुलझ पा रही हैं।

जुलाई 2026 में प्रदेश के सभी 55 जिलों से कुल 4 लाख 42 हजार से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से केवल 1 लाख 37 हजार शिकायतों का संतोषजनक निराकरण हो सका, जबकि बड़ी संख्या में मामले अभी भी लंबित हैं। आंकड़ों के अनुसार, कुल शिकायतों में 13.51 प्रतिशत मामले ऐसे हैं, जो 50 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अटके हुए हैं।

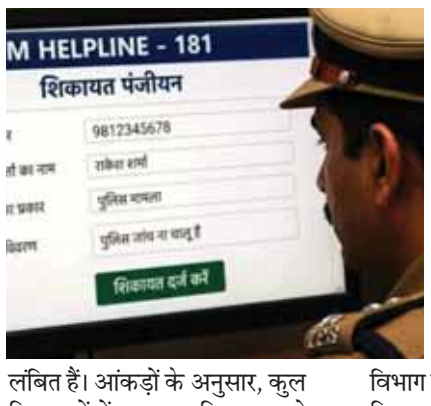

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शुरुआत 31 जुलाई 2012 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी। उस समय शिकायतों की निगरानी और फीडबैक की व्यवस्था को काफी प्रभावी माना गया था। वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी समय-समय पर इसकी समीक्षा कर रहे हैं। सबसे अधिक शिकायतें ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित हैं। नियमों के अनुसार शिकायतों के निपटारे के लिए चार स्तर (एल-1 से एल-4) निर्धारित किए गए हैं और प्रत्येक स्तर पर सात दिन का समय दिया जाता है।

इन विभागों से सबसे ज्यादा परेशान जनता

प्रदेश में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर सबसे अधिक शिकायतें बुनियादी सुविधाओं और सरकारी सेवाओं से जुड़ी आ रही हैं। जुलाई 2026 के आंकड़ों के अनुसार ऊर्जा विभाग सबसे ऊपर है, जहां बिजली कटौती, बिल और तकनीकी समस्याओं को लेकर 71,644 शिकायतें दर्ज हुईं। इसके बाद राजस्व विभाग में जमीन और संपत्ति विवाद से संबंधित 70,689 शिकायतें आईं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग से जुड़ी 55,701 और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 52,874 शिकायतें दर्ज की गईं। इन चार विभागों में आने वाली शिकायतें कुल शिकायतों का बड़ा हिस्सा हैं, जिससे साफ है कि आम लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी इन्हीं सेवाओं में हो रही है।

12 साल में 3.8 करोड़ शिकायतें, रोज आते हैं 60 हजार कॉल

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शुरुआत 31 जुलाई 2012 को हुई थी। पिछले 12 वर्षों में इस पोर्टल पर करीब 3.8 करोड़ शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें से 75.5 प्रतिशत शिकायतों का समाधान शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के साथ किया गया है, जबकि कुल 98.4 प्रतिशत मामलों का निराकरण किया जा चुका है। हेल्पलाइन पर प्रतिदिन लगभग 60 हजार कॉल प्राप्त होते हैं और करीब 15 हजार नई शिकायतें दर्ज की जाती हैं। वर्तमान में कुल 1.6 प्रतिशत शिकायतें लंबित हैं। शिकायतों के निपटारे के लिए चार स्तरों की व्यवस्था बनाई गई है, जहां प्रत्येक अधिकारी को कार्रवाई के लिए सात दिन का समय दिया जाता है।

दो साल तक मासूम पर दरिंदगी, फूफा को तीन बार उम्रकैद

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 10 वर्षीय बच्ची से दो साल तक दुष्कर्म करने वाले उसके सगे फूफा को तीन अलग-अलग धाराओं में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

न्यायाधीश कुमुदिनी पटेल की अदालत ने पीड़िता को 5 लाख रुपए प्रतिकर देने का भी आदेश दिया। मामला सुखीसेवनिया थाना क्षेत्र का है। माता-पिता की मौत के बाद बच्ची बुआ-फूफा के साथ रह रही थी। सहेली को आपबीती बताने के बाद मामला सामने आया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था।

ग्वालियर बनेगा टेलीकॉम निर्माण का नया केंद्र, 3500 करोड़ निवेश से खुलेंगे रोजगार के द्वार, सीएम बोले-

मप्र की धरती से बनेंगे संचार उपकरण, दुनिया तक पहुंचेगी प्रदेश की पहचान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। ग्वालियर में बनने वाला वैश्विक दूरसंचार निर्माण केंद्र मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। भारत सरकार के संचार मंत्रालय और मध्यप्रदेश सरकार के बीच हुए समझौते से प्रदेश में निर्मित संचार उपकरण देश और दुनिया तक पहुंचेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समझौता हस्ताक्षर समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों के साथ हुई बैठक में करीब 3500 करोड़ रुपये के निवेश और 14 हजार से अधिक रोजगार के अवसर बनने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर में बनने वाला दूरसंचार निर्माण केंद्र प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति देगा। करीब 170 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाले इस केंद्र में उपकरणों के निर्माण से लेकर परीक्षण, अनुसंधान, प्रमाणन और निर्यात तक की पूरी व्यवस्था उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि यहां पांचवीं और छठी पीढ़ी के संचार उपकरण, ऑप्टिकल फाइबर उपकरण, अर्धचालक उपकरण, नेटवर्किंग उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का निर्माण किया जाएगा। इससे ग्वालियर और आसपास के क्षेत्र में उद्योगों के साथ-साथ तकनीकी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए बेहतर स्थान

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को मध्यप्रदेश में आने का आमंत्रण देते हुए कहा कि प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण, पर्याप्त बिजली, जल, भूमि और कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पर देश और दुनिया का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्वालियर का यह केंद्र डिजाइन, निर्माण और निर्यात की पूरी श्रृंखला को मजबूत करेगा। इससे प्रदेश उत्तर भारत में दूरसंचार उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

प्रदेश को मिलीं पांच बड़ी परियोजनाएं | मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश को कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात दी है। धार जिले में देश का सबसे बड़ा पीएम मित्र पार्क विकसित किया जा रहा है, जिससे कपास उत्पादक किसानों और वस्त्र उद्योग को लाभ मिलेगा। इसके अलावा रायसेन जिले में आधुनिक मेट्रो और रेल कोच निर्माण परियोजना, बीना में पेट्रोलियम रिफाइनरी विस्तार तथा नदी जोड़ो परियोजनाएं प्रदेश के विकास को नई दिशा देंगी।

खुली पोल: रिकॉर्ड गेहूं खरीदी के पीछे करोड़ों का फर्जीवाड़ा!

एमएसपी की आड़ में फर्जी किसान बनकर सरकारी खजाने पर डाका

भरपूर खरीद के दावे के बीच सामने आया बड़ा खेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार इस साल गेहूं की रिकॉर्ड खरीदी को अपनी बड़ी उपलब्धि बता रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हाल ही में दावा किया था कि उनकी सरकार ने देश में सबसे अधिक गेहूं की खरीदी की है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 13 लाख 41 हजार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करीब 104 लाख 22 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया, जो पिछले एक दशक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। लेकिन अब इसी रिकॉर्ड खरीदी के पीछे करोड़ों रुपये के फर्जीवाड़े की परतें खुलने लगी हैं। जांच में सामने आया है कि कई लोगों ने फर्जी किसान बनकर सरकारी खरीद केंद्रों पर गेहूं बेच दिया और सरकारी भुगतान अपने बैंक खातों में हासिल कर लिया। इस पूरे मामले ने सरकारी व्यवस्था, सत्यापन प्रक्रिया और अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रात के अंधेरे में हुआ फर्जी पंजीयन का खेल

जानकारी के अनुसार, गेहूं पंजीयन की अंतिम तारीख 10 मार्च थी। आरोप है कि 5 से 10 मार्च के बीच देर रात और तड़के सुबह बड़ी संख्या में संदिग्ध पंजीयन किए गए। इस दौरान सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से असली किसानों और अनुसूचित जाति के किसानों के खसरा नंबरों का इस्तेमाल कर फर्जी नामों से पंजीयन कराया गया।

नियमों के मुताबिक पटवारी और तहसीलदारों को ऐसे मामलों की जांच कर संदिग्ध पंजीयन रद्द करना था, लेकिन कई मामलों में बिना जांच के सत्यापन कर दिया गया। कहीं बंटाई का कोई वैध अनुबंध नहीं मिला, तो कहीं एक स्थान पर पंजीयन कराकर दूसरे जिले में गेहूं की तुलाई करा दी गई। कई मामलों में जमीन किसी और की थी, जबकि भुगतान सीधे फर्जी खातों में पहुंच गया।

इस फर्जीवाड़े के पीछे सबसे बड़ा कारण मध्यप्रदेश में मिलने वाला ऊंचा MSP और राज्य सरकार का बोनस बताया जा रहा है। आरोप है कि पड़ोसी राज्यों से कम कीमत पर गेहूं खरीदकर उसे मध्यप्रदेश के उपार्जन केंद्रों पर फर्जी किसान बनकर बेच दिया गया। सरकार द्वारा इस वर्ष गेहूं का MSP 2,585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया था। दामों के इस अंतर का फायदा उठाकर ठगों ने करोड़ों रुपये का अवैध मुनाफा कमाया। यानी जिन किसानों के नाम पर गेहूं बेचा गया, उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं थी, जबकि सरकारी राशि सीधे फर्जी खातों में पहुंचती रही।

सरकारी सिस्टम की भूमिका पर उठे सवाल

इतने बड़े स्तर पर हुए फर्जीवाड़े ने सरकारी मशीनरी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिना पटवारी, तहसीलदार, समिति प्रबंधक और अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों की मिलीभगत के इतनी बड़ी संख्या में फर्जी पंजीयन और भुगतान संभव नहीं माना जा रहा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सत्यापन की पूरी व्यवस्था मौजूद थी, तब फर्जी किसानों के दस्तावेज कैसे मंजूर हुए और सरकारी भुगतान कैसे जारी हो गया। इससे साफ संकेत मिलता है कि मामला केवल कुछ फर्जी किसानों तक सीमित नहीं बल्कि सिस्टम के भीतर की कमजोरियों और संभावित मिलीभगत का भी है।

भिंड और राजगढ़ में कार्रवाई तेज

भिंड और राजगढ़ में मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। भिंड में चार फर्जी किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। कई पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है, जबकि जौरा और बानमोर के तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं राजगढ़ में भी आठ समिति प्रबंधकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों को सेवा से हटा दिया गया है। चार पटवारियों को निलंबित किया गया है और चार तहसीलदारों को नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन संबंधित स्टॉक और उपार्जन केंद्रों की जांच भी कर रहा है।

जांच आगे बढ़ी तो खुल सकते हैं कई बड़े राज

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिला प्रशासन का भी कहना है कि समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने अफसरों को चेताया

खराब सड़क मिली तो ईई पर गिरेगी गाज, अनदेखी पर होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विभागीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही को लेकर अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिस क्षेत्र में सड़क खराब पाई जाएगी, वहां संबंधित कार्यपालन यंत्री (ईई) की जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्रवाई होगी।

मंत्री सिंह ने वल्लभ भवन में आयोजित मुख्य अभियंता कॉन्फ्रेंस में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि मंत्री और प्रमुख सचिव स्तर से दिए गए निर्देशों का समय सीमा में पालन करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। प्रकरणों को लंबित रखने, आदेशों की अनदेखी करने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में मंत्री ने औचक निरीक्षणों में सामने आई अनियमितताओं और उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि दोषी पाए गए कितने ठेकेदारों को अब तक ब्लैकलिस्ट किया गया है। कुछ मामलों में कार्रवाई लंबित होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। मंत्री ने कहा कि निरीक्षण केवल कमियां खोजने की प्रक्रिया नहीं है। अनियमितता मिलने पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई प्रस्तावित है, उनके प्रकरण तत्काल पूरे कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि औचक निरीक्षण में ईएनसी स्तर के अधिकारी भी शामिल हों।

बारिश से खराब सड़कों की तत्काल होगी मरम्मत

मंत्री ने मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों की सड़कों की नियमित निगरानी करें। बारिश से क्षतिग्रस्त सड़क, पुल-पुलिया और जलभराव वाले स्थानों को प्राथमिकता से चिह्नित कर तुरंत सुधार कराया जाए। उन्होंने लोक कल्याण सरोवरों की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्ष 2026 में प्रदेश में 510 सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इनके निर्माण में गुणवत्ता, जल संरक्षण और जन उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जाए। मंत्री ने प्रशिक्षण व्यवस्था को भी प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता नहीं बल्कि अधिकारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने का माध्यम होना चाहिए। सड़क निर्माण में बैच मिक्स प्लांट के उपयोग और ड्रम मिक्स प्लांट के सीमित इस्तेमाल के निर्देश भी दिए गए।

भोज वेटलैंड-केरवा क्षेत्र में अतिक्रमण

सख्त हुआ एनजीटी , कहा-50 मीटर के दायरे में अवैध कब्जे हटाए; मड रैली पर भी नाराज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोज वेटलैंड के संरक्षण और एफटीएल क्षेत्र में फैले अतिक्रमण पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) सख्त हुआ है। एक आदेश पारित करते हुए एनजीटी ने 50 मीटर के दायरे में अतिक्रमण हटाने को कहा है। चार प्रकरणों की संयुक्त सुनवाई में भोज वेटलैंड, कलियासोत डैम, केरवा डैम एवं भोपाल झील क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और अतिक्रमण हटाने को लेकर कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। प्रकरण में आवेदक राशिद नूर खान की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पक्ष प्रस्तुत किया।

एनजीटी ने साफ किया कि यह मामला केवल अतिक्रमण हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वेटलैंड नियमों के पालन, वेटलैंड एवं एफटीएल (फुल टैंक लेवल) क्षेत्र की वैज्ञानिक पहचान एवं सीमांकन, तालाबों में गंदे एवं अनुपचारित पानी के प्रवाह को रोकने और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है।

कार्रवाई के बावजूद कब्जे क्यों?

प्रशासन के तर्क के बाद अधिवक्ता तिवारी ने एनजीटी के समक्ष यह बात रखी कि कार्रवाई किए जाने के बावजूद वेटलैंड एवं एफटीएल क्षेत्र में लगातार नए अतिक्रमण बढ़ रहे हैं। जिससे पूर्व में पारित आदेशों का पूर्ण एवं प्रभावी पालन सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। उन्होंने पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में समयबद्ध एवं कठोर कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधिकरण के समक्ष यह भी मुद्दे उठाए गए कि केरवा डैम, कलियासोत डैम एवं भोपाल तालाब की वैज्ञानिक सीमा का चिन्हांकन एवं डिमार्केशन किया जाए। वेटलैंड क्षेत्र के आसपास खेती में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जाए। ताकि, जल प्रदूषण रोका जा सके और लगभग 150 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित बॉटनिकल गार्डन का सीमांकन एवं संरक्षण ि कया जा सके।

यह जानकारी दी गई

सुनवाई के दौरान प्रशासन की ओर से तर्क दिया गया कि पूर्व आदेशों के अनुपालन में 9 व्यावसायिक अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं, जबकि 9 आवासीय अतिक्रमण आबादी क्षेत्र में स्थित होने के कारण अभी शेष हैं। ग्राम प्रेमपुरा स्थित खसरा क्रमांक 131 में कुल 35 अतिक्रमण चिन्हित किए गए। जिनमें से 23 अतिक्रमण हटाकर लगभग एक एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। शेष 12 आवासीय अतिक्रमणों को हटाने से पूर्व प्रभावित परिवारों को हाउसिंग फॉर ऑल योजना के अंतर्गत वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संपर्क अभियान को सफलता

3721 शिविरों में 1 लाख 66 हजार 643 शिकायतों का हुआ निराकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित ÷संपर्क अभियान 2026÷ को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान में भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 3721 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1 लाख 66 हजार 643 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। भोपाल रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 274 शिविरों में 17,078 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल वृत्त में 329 शिविरों में 18,912 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 189 शिविरों में 6,236 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 99 शिविरों में 14,469 शिकायतों का निराकरण, नर्मदापुरम वृत्त में 250 शिविरों में 21,098 शिकायतों का निराकरण, रायसेन वृत्त में 190 शिविरों में 13,392 शिकायतों का निराकरण, राजगढ़ वृत्त में 270 शिविरों में 3,717 शिकायतों का निराकरण, सीहोर वृत्त में 240 शिविरों में 5,955 शिकायतों का निराकरण तथा विदिशा वृत्त में 153 शिविरों में 8,627 शिकायतों का निराकरण किया गया।

ग्वालियर रीजन के वृत्तों में लगे शिविर

ग्वालियर रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त ग्वालियर में 221 शिविरों में 4,475 शिकायतों का निराकरण किया गया। अशोकनगर वृत्त में 110 शिविरों में 11,435 शिकायतों का निराकरण, भिंड वृत्त में 211 शिविरों में 4,647 शिकायतों का निराकरण, दतिया वृत्त में 130 शिविरों में 5,774 शिकायतों का निराकरण, गुना वृत्त में 190 शिविरों में 7,575 शिकायतों का निराकरण, ग्वालियर (ओ एंड एम) वृत्त में 186 शिविरों में 3,476 शिकायतों का निराकरण, मुरैना वृत्त में 289 शिविरों में 9,867 शिकायतों का निराकरण, श्योपुर वृत्त में 140 शिविरों में 4,315 शिकायतों का निराकरण तथा शिवपुरी वृत्त में 250 शिविरों में 5,595 शिकायतों का निराकरण किया गया।

14.3 इंच बारिश के बाद भी प्यासे इंदौर के तालाब!

आधे से ज्यादा जलाशय खाली अगस्त-सितंबर पर टिकी उम्मीद

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर में इस मानसून अब तक 14.3 इंच बारिश हो चुकी है, लेकिन शहर के तालाब अभी भी आधे से ज्यादा खाली हैं। सामान्य से बेहतर बारिश के बावजूद जलाशयों का जलस्तर उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ पाया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह मानी जा रही है कि लंबे समय तक हुई रिमझिम बारिश का अधिकांश पानी जमीन ने सोख लिया, जिससे तालाबों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच सका। अब शहर की नजरें अगस्त और सितंबर की तेज बारिश पर टिकी हैं। यदि अगले दो महीनों में अच्छी वर्षा नहीं हुई तो आने वाले समय में जल संकट की आशंका बढ़ सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार मई और जून में भी अच्छी बारिश हुई थी, जिससे जमीन में नमी पहले से मौजूद थी। इसके बाद जुलाई में अधिकांश समय रिमझिम बारिश होती रही। इस तरह की बारिश का पानी सीधे तालाबों में बहने के बजाय मिट्टी में समा गया। यही कारण है कि जलाशयों का जलस्तर अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पाया।

पिछले साल से बेहतर, लेकिन औसत से अभी भी कम

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इंदौर में अब तक 14.3 इंच बारिश दर्ज की गई है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में बेहतर है, लेकिन शहर की औसत मानसूनी बारिश करीब 37 इंच मानी जाती है। यानी अभी भी सामान्य बारिश का बड़ा हिस्सा बाकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अगस्त और सितंबर में अच्छी बारिश होती है तो जलाशयों की स्थिति में तेजी से सुधार हो सकता है। बदल रहा है मानसून का पैटर्न मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में मानसून का स्वरूप तेजी से बदला है। पहले जुलाई में लगातार तेज बारिश होती थी, जिससे तालाब जल्दी भर जाते थे।

मेट्रो एंकर | जनजातीय इतिहास और ज्ञान को मिलेगी नई पहचान, मंत्री परमार बोले-

प्रकृति-संस्कृति के संरक्षक हैं जनजातीय समाज, मिले प्रमुख स्थान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि जनजातीय समाज भारत की सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति संरक्षण और सभ्यता का महत्वपूर्ण आधार है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण संरक्षण और भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। अब आवश्यकता है कि उनके इतिहास, संस्कृति, ज्ञान और जीवन दर्शन को भारतीय दृष्टिकोण से शोध एवं शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल किया जाए।

मंत्री परमार मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित जनजातीय अध्ययन संबंधी पाठ्यक्रम के विकास विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री परमार ने कहा कि लंबे समय तक जनजातीय समाज पर किए गए अध्ययन विदेशी और औपनिवेशिक दृष्टिकोण से प्रभावित रहे, जिसके कारण कई भ्रांतियां बनीं। उन्होंने कहा कि अब जनजातीय समाज के वास्तविक इतिहास, सांस्कृतिक समृद्धि, पारंपरिक ज्ञान और जीवन मूल्यों का प्रमाणिक दस्तावेजीकरण जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालयों में जनजातीय अध्ययन के अंतर्गत शोधपरक, रोजगारोन्मुखी और बहुआयामी पाठ्यक्रम तैयार किए जाने चाहिए, जिन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार की जरूरतों से भी जोड़ा जा सके।

जनजातीय क्षेत्रों में जाकर होगा शोध

मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों को जनजातीय क्षेत्रों में पहुंचकर वहां की भाषा, लोक परंपरा, कृषि पद्धति, लोक चिकित्सा, कला, पर्यावरण संरक्षण और जीवन शैली का वैज्ञानिक अध्ययन करना चाहिए। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से जनजातीय समाज के विकास का बेहतर मॉडल तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय युवाओं को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि उन्हें कौशल विकास, स्टार्टअप, उद्यमिता, इंटर्नशिप और शोध से जोड़ना होगा।

संसद की बहस के मायने

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संसद होती है। यही वह मंच है जहां कानून बनते हैं, सरकार जवाब देती है और विपक्ष जनता की आवाज उठाता है। लेकिन जब संसद के बहुमूल्य दिन राजनीतिक टकराव और नारों की भेंट चढ़ जाते हैं, तब सबसे अधिक नुकसान उन करोड़ों युवाओं का होता है जिनका भविष्य संसद के फैसलों से जुड़ा होता है। आज सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक का संकट और उस पर प्रस्तावित कठोर कानून ऐसा ही विषय है, जिस पर गंभीर और सार्थक बहस की आवश्यकता है। पेपर लीक केवल परीक्षा व्यवस्था की तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के विश्वास पर सीधा आघात है। वर्षों की मेहनत, परिवारों की उम्मीदें और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का आधार तब कमजोर पड़ जाता है, जब कुछ लोगों की मिलीभगत पूरी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर देती है। ऐसे में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधन पर रोकथाम) संशोधन विधेयक पर व्यापक चर्चा समय की मांग है। कठोर कानून आवश्यक हैं, लेकिन उनकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शी जांच और जवाबदेही पर निर्भर करेगी। इसी बीच छात्र आंदोलनों के दौरान बल प्रयोग, पैलेट गन के इस्तेमाल और सुरक्षा बलों की कार्रवाई को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है, वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी। दोनों के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है। यदि किसी कार्रवाई में अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है या निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं हुआ, तो उसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। इससे न केवल सच सामने आएगा, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि पेपर लीक की समस्या किसी एक सरकार या एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रही है। अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग समय में ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं। इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्थागत सुधारों से निकलेगा। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, जवाबदेही तय करना और दोषियों को त्वरित दंड दिलाना ही स्थायी उपाय हैं। संसद का उद्देश्य केवल सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक बढ़त हासिल करना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान खोजना है।

शिव के प्रति अनन्य भक्ति... भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है कांवड़ यात्रा

डॉ. आशीष वशिष्ठ
स्तंभकार

सावन महीने की शुरुआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन माह में शिवभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर 'बोल बम' का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप।

कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात् शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं।

भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं!

वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्रायः किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि 'कांवड़ यात्रा' का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। 'कांवड़' शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात् कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि 'कांवड़' शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। 'कंवार' शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ 'कंधा' है। कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला।

हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरुआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं। वहीं, कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार 'क' अक्षर अग्नि को द्योतक है और 'आवर' का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं।

गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है। कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

सही मायनों में, कांवड़ यात्रा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है। कांवड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है, ये महादेव को शीतल जल अर्पित करने की परंपरा है, ये लोक-उत्सव है, समानता का सन्देश है क्योंकि चारों तरफ भगवा ही भगवा दिखता है जो सनातन संस्कृति का प्रतीक है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सड़क दुर्घटनाओं की चौंकाती हकीकत सबसे अधिक शिकार होता युवा वर्ग

ऋतुपर्ण दवे
स्तंभकार

भारत में सड़क दुर्घटनाओं में कमी न आना बेहद दुर्भाग्यजनक है। कई वर्षों के आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद आशातीत सफलता न मिलना, कहीं-न-कहीं सड़क पर चलने वालों की मनोदशा पर भी निर्भर करता है। इसी चलते हर रोज देश में कहीं-न-कहीं से भीषण सड़क दुर्घटनाओं के दुखद समाचार मिलते रहते हैं। भारत सरकार की परिभाषा में एक से ज्यादा लोगों की मौत को भीषण सड़क हादसा माना जाता है। सड़क हादसों में बेवजह हजारों लोगों की जान हर वर्ष जाती है।

यदि केवल किसी एक वर्ष के आंकड़ों पर नजर डालें तो काफी चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2023 के आंकड़े ही लें तो दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर उभरती है। इस वर्ष 68783 हिट एण्ड रन मामलों में 31209 मौतें हुईं जबकि 54574 लोग घायल हुए। सभी तरह की दुर्घटनाओं का विश्लेषण काफी सोचने और डराने को मजबूर करता है। इसी वर्ष सड़क पर खड़े वाहनों से टकरा कर 13810 दुर्घटनाओं में 5636 मौतें और 12575 घायल हुए। पीछे से टकराने की दुर्घटनाओं में 36804 मौतें 107161 घायल हुए। साइड से टक्कर की 73805 घटनाओं में 20623 मौतें और 74017 घायल हुए। सड़क से नीचे गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुई, 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पलटने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं, आमने-सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए। अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही। इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना के शिकार हुए जो अन्य क्षति छोड़कर, मानवीय हैं।

इन आंकड़ों का एक और चिंताजनक पक्ष यह है कि दुर्घटनाओं का सबसे अधिक शिकार युवा वर्ग होता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य असमय काल का ग्रास बन जाता है तो पूरे परिवार का भविष्य संकट में पड़ जाता है। दुर्घटना केवल एक व्यक्ति की जान नहीं लेती, बल्कि कई परिवारों के सपनों, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक संतुलन को भी गहरा आघात पहुंचाती है। दुर्घटनाओं के बाद चिकित्सा, पुनर्वास और बीमा संबंधी खर्च भी परिवारों पर अतिरिक्त बोझ बनकर सामने आते हैं। इसलिए सड़क सुरक्षा को केवल यातायात नियमों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखने की आवश्यकता है।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ तेज गति, बिना हेलमेट, वाहनों के बीच बिना सुरक्षित दूरी, सुस्ती, नींद के झोंके, वाहन चलाते समय धूम्रपान, शराब या किसी अन्य नशे में होने से दुर्घटनाएँ होती हैं। रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्स, टेल लाइट्स और इंडिकेटर्स खराब होने या काम नहीं करने, टायरों का ध्यान नहीं रखने और ज्यादा पुराने, घिसे, कटे-फटे, क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोग, बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रैक्शन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं। ब्रेक की नियमित जांच से कई तरह की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें भी ध्यान भटकाता है।

गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में आगे निकलने की होड़ और ओवरटेक भी वजह है। छोटी सड़कों पर ध्यान नहीं देना कि कहीं सामने दूसरा वाहन तो नहीं आ रहा? जबकि हाइवे पर इंडीकेटर का सही उपयोग नहीं करना, दुर्घटनाओं का सबब बनता है। ओवरटेक की होड़ से भी दुर्घटनाएँ होती हैं। यह सभी वो छोटे-छोटे उपाय व यातायात के नियम हैं जिन्हें हम जानते तो हैं पर अमल में नहीं लाते हैं। थोड़ी सतर्कता, थोड़ी सजगता से बड़ी-बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसीलिए यातायात विभाग का बेहद लोकप्रिय नारा है– 'दुर्घटना से देर भली।' वास्तव में कुछ मिनट की देरी स्वीकार करना जीवनभर के पछतावे से कहीं बेहतर है। सड़क पर संयम, अनुशासन और जिम्मेदारी ही सुरक्षित यात्रा की सबसे बड़ी गारंटी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

महिलाओं में खून की कमी और थकान दूर करने में मददगार चुकंदर का जूस

महिलाओं की पोषण संबंधी जरूरतें पुरुषों की तुलना में अलग होती हैं। मासिक धर्म, गर्भावस्था, स्तनपान और हार्मोनल बदलावों के कारण महिलाओं में आयरन, फोलेट और अन्य पोषक तत्वों की कमी का जोखिम अधिक रहता है। इन समस्याओं से बचने के लिए महिलाएं रोजाना चुकंदर का सेवन कर सकती हैं। चुकंदर का सेवन करना या जूस पीने से महिलाओं में खून की कमी होने की संभावना कम होती है, जिससे एनीमिया का जोखिम हो जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक नाइट्रेट्स रक्त वाहिकाओं को रिलैक्स करने में मदद करते हैं, जिससे हार्ट हेल्थ को फायदा हो सकता है। इसके अलावा, बेहतर ब्लड सर्कुलेशन त्वचा में प्राकृतिक निखार लाने और शरीर की ऊर्जा बढ़ाने में भी मदद कर सकता है।

एनीमिया से लड़ने में मददगार: भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया का सामना करती हैं। मासिक धर्म के दौरान रक्तस्राव के कारण महिलाओं में आयरन की जरूरत अधिक होती है। स्टडी बताती है कि चुकंदर में आयरन, फोलेट और विटामिन ष्ट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करते हैं। महिलाओं में मेनोपॉज के बाद होने वाले हार्मोनल बदलाव की वजह से हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। ऐसे में उनको हार्ट हेल्थ पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। एनसीबीआई की स्टडी के मुताबिक चुकंदर में प्राकृतिक नाइट्रेट्स पाए जाते हैं, जो शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड में परिवर्तित हो जाते हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को फैलाने में मदद करता है, जिससे रक्त प्रवाह बेहतर हो सकता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने में सहायता मिल सकती है। चुकंदर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ष्ट शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद कर सकते हैं।

एनर्जी और स्टेमिना बढ़ाए: कई महिलाएं दिनभर थकान और ऊर्जा की कमी की शिकायत करती हैं। चुकंदर का जूस शारीरिक सहनशक्ति को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। इसमें नाइट्रेट्स मौजूद होते हैं, जो मांसपेशियों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। स्टडी में पाया गया है कि चुकंदर का जूस व्यायाम प्रदर्शन और स्टेमिना को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। गर्भावस्था के दौरान फोलेट की आवश्यकता काफी बढ़ जाती है। फोलेट भ्रूण (गर्भ में पल रहे बच्चे) के मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनसीबीआई के अनुसार चुकंदर फोलेट का अच्छा स्रोत माना जाता है। पर्याप्त फोलेट सेवन से प्रेग्नेंसी में न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

निशाना

परवाज बेटियों की..!

डॉ. शबनम सुल्ताना

आशाओं के आसमान में,
एक ख्वाब सजाया है,
हमारे देश ने बेटियों को,
उड़ना खूब सिखलाया है,
एहसासो की तितली सी,
कोमल और नर्म हैं हम,
पर हर राक्षस के लिए,
दुर्गा और काली हैं हम,
पंखों को नाजुक समझ के देखो,
हाथ न लगाना तुम,
नर्म गुलाब के संग ज्यों हमने,
कांटों को भी सजाया है,
हमारे देश ने हम बेटियों को,
उड़ना खूब सिखलाया है।

टेक्नो अपडेट

स्टारलिंक के बाद एमेजॉन की तैयारी अंतरिक्ष से सीधे फोन में आएगा नेटवर्क

स्टारलिंक के बाद एमेजॉन भी D2D नेटवर्क लाने की तैयारी कर चुकी है। उसने 5,105 सैटेलाइट्स को लॉन्च करने की अनुमति मांगी है। D2D नेटवर्क की मदद से किसी डिवाइस में सीधे अंतरिक्ष से सिग्नल भेजे जाते हैं। इससे दूरदराज के इलाकों तक कनेक्टिविटी पहुंचाना आसान हो जाता है। भारत में अभी तक सैटेलाइट नेटवर्क के कमर्शल उपयोग को मंजूरी नहीं मिली है।

D2D यानी डायरेक्ट टु डिवाइस के क्षेत्र में अब एमेजॉन भी एंट्री करने को तैयार है। डायरेक्ट टु डिवाइस का मतलब होता है, कोई सिग्नल सीधे आपकी डिवाइस में पहुंचे। स्टारलिंक समेत कुछ कंपनियां इस दिशा में काम कर रही हैं। इसके तहत सैटेलाइट इंटरनेट को सीधे स्मार्टफोन में पहुंचाया जा रहा है। कुछ महीनों पहले स्टारलिंक ने एक टेस्ट किया था जिसमें D2D तकनीक की मदद से वीडियो कॉल की गई थी।

एमेजॉन ने अप्रैल में ही इस योजना के संकेत दिए थे। CNBC की एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ग्लोबलस्टार का अधिग्रहण करने जा रही है जो एक प्रमुख सैटेलाइट ऑपरेटर है। आसान भाषा में समझाएं तो D2D नेटवर्क में पारंपरिक मोबाइल टावरों का उपयोग नहीं होता। किसी भी डिवाइस जैसे- स्मार्टफोन में सिग्नल सीधे अंतरिक्ष से मिलते हैं और यूजर दूर-दराज के इलाकों में भी कनेक्टेड रहता है। D2D नेटवर्क के मामले में अभी स्टारलिंक सबसे आगे हैं, उसने अमेरिका में कई मोबाइल ऑपरेटर्स के साथ टाई-अप भी किया है। एमेजॉन की तैयारी D2D नेटवर्क को उसके इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबस्टार के सैटेलाइट्स से जोड़ने की है।

इस नेटवर्क का अधिक फायदा दूरदराज के क्षेत्रों को होगा, जहां मोबाइल नेटवर्क स्लो या बिलकुल नहीं है। इसके साथ ही सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशंस में यह नेटवर्क बहुत मददगार साबित हो सकता है। ऐसे इलाके जहां जमीन से नेटवर्क नहीं पहुंचाया जा सकता, वहां अंतरिक्ष से नेटवर्क पहुंचाकर मदद दी जा सकती है। भारत ने अभी तक सैटेलाइट इंटरनेट के कमर्शल इस्तेमाल को मंजूरी नहीं दी है। स्टारलिंक समेत रिलायंस जियो, एयरटेल वनवेब जैसी कंपनियां रेस में हैं। एक बार यह नेटवर्क शुरू होने पर D2D नेटवर्क का रास्ता साफ होने की उम्मीद है।

अजब - गजब

ममी का श्राप! मकबरे को 500 साल बाद खोला, एक भी एक्सपर्ट की नहीं बची जान

आज से 50 साल से भी ज्यादा समय पहले 1973 में पोलैंड में जश्न जैसा माहौल था। इसकी वजह पुरातत्वविदों के पोलैंड के 15वीं सदी के सम्मानित राजा कैसिमिर IV जैगिलोन का मकबरा खोलना था। सरकार ने प्राचीन स्मारकों तक पहुंच को बहुत सीमित रखा था लेकिन क्राको के आर्कबिशप कैरोल वोज्टिला ने एक रिसर्च टीम को राजा के तहखाने में जाने की विशेष अनुमति दी। राजा कैसिमिर ने 1492 में अपनी मृत्यु तक शासन किया था। किंग कैसिमिर की कब्र पर रिसर्च के नतीजे जानलेवा साबित हुए। मकबरा खोलने के कुछ ही दिनों बाद तहखाने में जाने वाले 12 शोधकर्ताओं में से चार की मौत हो गई। अगले कुछ हफ्तों में यह संख्या बढ़कर 10 हो गई। अगले कुछ वर्षों में सभी 15 लोगों की मौत हो गई, जो मकबरे के अंदर गए थे या लैब में शव पर काम कर रहे थे। इसे एक 'ममी के श्राप' की तरह देखा गया, जिसकी चर्चा मिस्र में पहले ही थी।

ममी के श्राप की कहानी पोलैंड से काफी पहले 1922 में किंग टुट का मकबरा खुलने से शुरू हुई। मिस्र के फराओ के दफन कक्ष में जाने से पांच हफ्ते बाद अभियान के नेता लॉर्ड कार्नारवोन की मौत हो गई। इससे कहा गया कि उस जगह श्राप है। कार्नारवोन की मौत के लिए संक्रमित मच्छर के काटने और निमोनिया के अजीब मेल को जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन मेडिकल जगत को इस पर पूरी तरह से यकीन नहीं है। लक्षणों की समीक्षा करने के बाद द लैंसेट में 2003 में एक स्टडी में निष्कर्ष निकाला कि मकबरे से सीधे सांस के जरिए शरीर में गए फंगस 'एस्परगिलोसिस' से जानलेवा संक्रमण हो सकता है।

कासिमिर के मकबरे के सैंपल की जांच से पता चला कि वहां फंगस का घना मिश्रण था। इसमें एस्परगिलस, पेनिसिलियम रूब्रम और पेनिसिलियम रुगुलोसम शामिल थे। आम तौर पर ये स्पोर (बीजाणु) बुखार और सूजन का कारण बनते हैं लेकिन एक बंद मकबरे के अंदर भारी मात्रा में इन्हें सांस के जरिए अंदर लिया जाता है तो यह फंगल कॉकटेल जानलेवा बन जाता है। मेडिकल एक्सपर्ट ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति का इम्यून सिस्टम किसी दूसरे संक्रमण की वजह से कमजोर हो तो फंगस फेफड़ों के अंदर गहराई तक फैल सकती है। इससे एलर्जी जैसे लक्षण एक जानलेवा स्थिति में बदल सकते हैं, जो कुछ ही दिनों में हमला कर सकती है। या फिर चुपचाप सालों तक पनपती रह सकती है।

न्यूज विंडो

निःशुल्क यूरोलॉजी परामर्श शिविर में मरीजों ने लिया लाभ

मंडीदीप। आरोग्य अस्पताल में गुरुवार को आयोजित निःशुल्क यूरोलॉजी (मूत्र रोग) परामर्श शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में यूरोलॉजिस्ट डॉ. दीपक तिवारी ने मरीजों की जांच कर विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया। शिविर में 30 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। जांच के दौरान कई मरीज किडनी में पथरी, प्रोस्टेट की समस्या, बार-बार पेशाब आना, पेशाब में कठिनाई, मूत्र संक्रमण तथा अन्य गंभीर मूत्र रोगों से पीड़ित पाए गए। डॉ. दीपक तिवारी ने सभी मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक जांच, दवा एवं आगे के उपचार की विस्तृत सलाह दी। जिन मरीजों को शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन) या विशेष उपचार की आवश्यकता थी, उन्हें आगे की उपचार योजना के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। आरोग्य अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि अस्पताल का उद्देश्य मंडीदीप एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं सुलभ कराना है। भविष्य में भी इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समय पर विशेषज्ञ परामर्श और बेहतर उपचार उपलब्ध हो सके।

सिद्धचक्र महामंडल विधान के साथ विश्व शांति महायज्ञ संपन्न

गंजबासौदा। नगर के बरेठ स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (त्रिमूर्ति जिनालय) में आयोजित आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्रमहामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में गुरुपूजन, विश्व शांति महायज्ञ और पात्र सम्मान समारोह के साथ श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्म आराधना का लाभ प्राप्त किया। आयोजन के दौरान प्रतिदिन प्रातःकाल मंगलाष्टक, भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य पूजन के पश्चात सिद्धचक्र महामंडल विधान संपन्न कराया गया। वहीं सायंकाल सामूहिक सामायिक, प्रतिक्रमण तथा रात्रि में मंगल आरती के बाद धर्म चर्चा एवं प्रश्नमंच का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधान के दौरान विभिन्न धार्मिक पात्रों का चयन भी किया गया। संपूर्ण विधान का संचालन एवं निर्देशन विधानाचार्य एवं संगीतकार भाई सृजन जैन ने भक्तिमय वातावरण में किया। समापन अवसर पर विधान में सहभागी सभी प्रमुख पात्रों एवं सहयोगियों का माला और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। अंत में पात्र भावना का आयोजन हुआ।

मौसम विभाग का अलर्ट, प्रशासन ने सावधानी बरतने के दिए निर्देश

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जिले के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के ऊपर तीन मजबूत मौसम प्रणालियां एक साथ सक्रिय हैं, जिनके प्रभाव से अगले चार दिनों तक छिंदवाड़ा सहित मध्यप्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और बिना जरूरी काम के घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है।

बुजुर्गों को चार माह से नहीं मिली पेंशन, एसडीएम से लगाई गुहार

बालाघाट। बालाघाट के कटंगी में चार माह से वृद्धावस्था पेंशन न मिलने से परेशान बुजुर्गों ने एसडीएम से शिकायत की है। उनका कहना है कि पेंशन के अभाव में उन्हें जीवनयापन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जागरूक युवा योगराज कटरे के साथ कई बुजुर्ग अपनी पेंशन की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान एसडीएम ने कर्मचारियों से बुजुर्गों की पहचान सत्यापित करने को कहा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके बच्चे नौकरी में हैं या नहीं।

पन्ना में रिश्तों का कत्ल, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, पड़ताल जारी

जमीन विवाद में कलयुगी बेटे ने मां की डंडे से पीटकर की हत्या, कुएं में रखा था हथियार

पन्ना। दोपहर मेट्रो

पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र में जमीन के एक टुकड़े के विवाद ने एक बेटे को इस हद तक अंधा बना दिया कि उसने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने घटना के साक्ष्य मिटाने की कोशिश करते हुए वारदात में इस्तेमाल किया गया डंडा एक सूखे कुएं में फेंक दिया। हालांकि, पवई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया।

जानकारी के अनुसार, थाना पवई क्षेत्र के ग्राम कमता निवासी शंकरदयाल पांडे ने 29 जुलाई की दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को सूचना दी कि उनके बेटे रामदयाल पांडे (26) ने जमीनी विवाद के चलते अपनी मां शीला पांडे (42) पर डंडे से हमला कर दिया। लगातार किए गए हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों सहित ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आरोपी रामदयाल पांडे को ग्राम कमता से ही हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। बीते दिन आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में उपजेल पवई भेज दिया गया।

फिलहाल यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। एक मामूली जमीनी विवाद का इतना भयावह अंत लोगों को झकझोर रहा है। यह मामला एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करता है कि संपत्ति के लालच में रिश्तों की संवेदनाएं किस तरह खत्म होती जा रही हैं।

मूंग में मिट्टी की मिलावट का मामला

वेयरहाउस किया सील, 3 जिम्मेदारों पर एफआईआर

नर्मदापुरम। माखननगर स्थित कनकधारा वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर खरीदी गई सरकारी मूंग में मिट्टी की मिलावट का बड़ा मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर वेयरहाउस को सील कर दिया गया है, जबकि वेयरहाउस संचालक समेत तीन जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ माखननगर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गठित संयुक्त जांच दल ने 22 जुलाई को वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान 23 स्टेकों में रखी मूंग की बोरियों की जांच में कई बोरियों में निर्धारित मानकों से अधिक मिट्टी और बाहरी पदार्थ मिले, वहीं कुछ बोरियां पूरी तरह मिट्टी से भरी हुई पाई गईं। प्रथम दृष्ट्या गंभीर अनियमितता सामने आने पर वेयरहाउस को तत्काल सील कर सभी स्टेकों से नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट में वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के दौरान मार्कफेड और नाफेड के खाते में भंडारित 31,298.89 क्विंटल मूंग में मिलावट पाए जाने से शासन को लगभग 28.14 करोड़ रुपये की संभावित आर्थिक क्षति होना सामने आया है। प्रशासनिक जांच में वेयरहाउस संचालक तारेश पुरोहित, तत्कालीन शाखा प्रबंधक श्याम होसले तथा जिला प्रबंधक वासुदेव दावन्डे को समुचित निगरानी और पर्यवेक्षण में लापरवाही का जिम्मेदार माना गया। अनिल जैन की शिकायत पर तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पति की हत्या की साजिश रचने वाले छह दोषियों पर अदालत का बड़ा फैसला

पत्नी, प्रेमी और तीन सुपारी किलर्स को आजीवन कारावास

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

करीब ढाई वर्ष पुराने चर्चित सौरभ जैन हत्याकांड में गुरुवार को न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पत्नी, उसके प्रेमी तथा हत्या में शामिल तीन सुपारी किलरों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं मृतक के साले को फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र और शपथ-पत्र तैयार कराने के अपराध में 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया है। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरप्रसाद बंशकार ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर यह सिद्ध किया कि पत्नी रिचा जैन ने अपने प्रेमी दीपेश भार्गव के साथ मिलकर पति की हत्या का षड्यंत्र रचा। हत्या को अंजाम देने के लिए अन्य आरोपियों को लालच और पैसों का प्रलोभन देकर शामिल किया गया।

अदालत ने अपने निर्णय में कहा कि पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास और जिम्मेदारी पर आधारित होता है, लेकिन लालच और अवैध संबंधों के कारण इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक हैं। न्यायालय ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए कठोर सजा सुनाई।

20 फरवरी 2023 को शमशाबाद थाना क्षेत्र के कोलुआ जंगल में एक अज्ञात शव मिला था। जांच के दौरान मृतक की पहचान अशोकनगर निवासी सौरभ जैन के रूप में हुई। बाद में पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मृतक की पत्नी रिचा जैन के सिरोंज निवासी दीपेश भार्गव से प्रेम संबंध थे। दोनों ने सौरभ को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और सुपारी देकर हत्या कराई।

जांच में सामने आया कि सौरभ को भोपाल ले जाने का बहाना बनाकर कार में बैठाया गया। रास्ते में सुनसान स्थान पर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई और शव को जंगल में फेंक दिया गया। पहचान मिटाने के लिए चेहरे पर पत्थरों से वार किए गए। हत्या के बाद आरोपियों ने मृतक के एटीएम से पैसे भी निकाले और फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाने का प्रयास किया।

न्यायालय ने रिचा जैन, दीपेश भार्गव, राजा उर्फ प्रद्युम्न यादव, लखन जाटव तथा गुरु उर्फ गोलू मंसूरी को हत्या और आपराधिक षड्यंत्र का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया। वहीं मृतक के साले अंशुल जैन को फर्जी दस्तावेज तैयार कराने के अपराध में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई। शासकीय अपर लोक अभियोजक डॉ. अखिलेश लाहौरी ने बताया कि यह जिले का अत्यंत संवेदनशील मामला था। अभियोजन ने सभी परिस्थितिजन्य साक्ष्य, दस्तावेज और गवाहों के आधार पर आरोप सिद्ध किए।

वेदांत आश्रम में गूंजे गुरु महिमा के स्वर पूरे सावन होगा पार्थिव शिवलिंग निर्माण

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले प्रकाश स्तंभ हैं। गुरु की कृपा से ही साधना सफल होती है और मनुष्य का जीवन सार्थक बनता है। इसी गुरु-शिष्य परंपरा, श्रद्धा और समर्पण के भाव के साथ गुरुवार को जीवाजीपुर स्थित वेदांत आश्रम में तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। जगद्गुरु डॉ. वेदान्ती महाराज एवं विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने सिद्ध बाबा एवं साकेतवासी जगन्नाथदासजी महाराज का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर महोत्सव की शुरुआत की। पहले ही दिन आश्रम परिसर गुरु भक्ति, वैदिक मंत्रोच्चार और शिव आराधना से गुंजायमान हो उठा।

काशी से विशेष रूप से महोत्सव में शामिल होने पहुंचे जगद्गुरु डॉ. वेदान्ती महाराज ने गंजबासौदा की धरती के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह नगर उनके लिए केवल जन्मभूमि या कर्मभूमि नहीं, बल्कि गुरुभूमि है। उन्होंने कहा कि गंजबासौदा का कण-कण मेरे लिए गुरु के समान पूजनीय है। इसी पुण्यभूमि और यहां के संतों की कृपा से मुझे काशी का वास और जगद्गुरु का पद प्राप्त हुआ। जीवन में जो कुछ भी मिला है, उसकी जड़ें इसी धरती से जुड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि मनुष्य चाहे कितनी भी ऊंचाइयों पर पहुंच जाए, उसे अपने गुरु, संस्कार और उस भूमि को कभी नहीं भूलना चाहिए, जहां से उसकी आध्यात्मिक यात्रा प्रारंभ हुई। गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। गुरु ही वह शक्ति हैं, जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। गुरु महिमा का वर्णन करते हुए डॉ. वेदान्ती महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। माता-पिता जन्म देते हैं, लेकिन गुरु जीवन को उद्देश्य और दिशा देते हैं। गुरु का सम्मान केवल चरणों में पुष्प अर्पित करने से नहीं, बल्कि उनके बताए सत्य, सेवा, संयम और सदाचार के मार्ग पर चलने से होता है। यही गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और समर्पण है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई

450 किलो महुआ लाहन और 70 लीटर कच्ची शराब जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नागद्वारी मेले से पहले अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने पचमढ़ी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 450 किलोग्राम महुआ लाहन और 70 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत छह प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में वृत पिपरिया की टीम ने पचमढ़ी क्षेत्र में आकस्मिक दबिश दी। अभियान के दौरान नालंदा टोला, बड़ा महादेव, हीवर, डीपी प्वाइंट, चौरागढ़ मंदिर, पहली पायरी, डापका, नादिया जंक्शन, जलगली और नागफनी प्वाइंट सहित कई स्थानों की सघन तलाशी ली गई। आबकारी उपनिरीक्षक हितेश कुमार बिशोरिया के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में 450 किलो महुआ लाहन और 70 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 59 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अभिलाष पाठक एवं अशोक माहोरे, आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पड़रिया और रघुवीर निमोदा सहित विभागीय अधिकारियों व आरक्षक शामिल रहे। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि नागद्वारी मेले के दौरान अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर रोक लगाने के लिए लगातार सघन चेकिंग और दबिश की कार्रवाई जारी रहेगी।

मेट्रो एंकर | कक्का जी की पुण्यतिथि बनी सेवा, संस्कार और हरियाली का संकल्प

51 पौधे रोपकर लोगों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

समाजसेवा, सादगी और जनकल्याण की मिसाल रहे स्वर्गीय किशन सिंह दांगी की 12वीं पुण्यतिथि गुरुवार को सेवा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ श्रद्धापूर्वक मनाई गई। उनकी स्मृति में परिवारजनों ने 51 पौधों का रोपण कर हरियाली का संदेश दिया, वहीं शासकीय प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी केंद्र बेदनखेड़ी के बच्चों को कंपास बॉक्स, पेन, डायरी, केले और बिस्कुट वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक हरिसिंह रघुवंशी एवं मध्यप्रदेश ग्रामोद्योग एवं खादी बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश जादौन ने स्वर्गीय कक्का जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इसके बाद परिवारजनों एवं अतिथियों ने उनके व्यक्तित्व एवं समाजसेवा के कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के उपरांत कक्काजी के पुत्र कैलाश ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि राजू ठाकुर, एडवोकेट मनोहर ठाकुर, डॉ. राकेश सिंह दांगी, राजेश दांगी, बृजेश दांगी तथा उनके नाती एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर के नेतृत्व में बेदनखेड़ी स्थित शासकीय प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र, बेदनखेड़ी टपरिया एवं नवनिर्मित किशन पैराडाइज परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर 51 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान सभी ने पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि स्वर्गीय किशन सिंह दांगी का संपूर्ण जीवन समाज सेवा, सादगी और जनहित के कार्यों के लिए समर्पित रहा। उनकी स्मृति में पौधरोपण और बच्चों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उनके बताए सेवा और संस्कार के मार्ग पर चलने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के प्रति जागरूकता का भाव विकसित करते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार कैलाश सक्सेना, नीरज मिश्रा, जगदीश शर्मा, सोनू बड़कुल, रामरतन सेन, जगदीश तिवारी, नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, पार्षद राहुल ठाकुर, सुनील साहू, पार्षद प्रतिनिधि मणिभाई अहिरवार, शुभम रघुवंशी, बांके महाराज, नरेन्द्र जैन, स्पनिल जैन, विनीत दांगी, गजेन्द्र औदिच्य, कान्हा नेमा, भजन प्रजापति, गजेन्द्र राजपूत, प्रदीप ठाकुर, टोनी अहिरवार, आकाश यादव, अमित जैन, आशीष रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय कक्का जी के सेवा, सादगी और समाजहित के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अतिवृष्टि से ग्राम घुटारिया में 20 एकड़ मक्का की फसल बर्बाद, आदिवासी किसान हुए प्रभावित

डहरा नाला का पानी खेतों में घुसा, किसानों की फसल हुई चौपट

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बगदरी के ग्राम घुटारिया में हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि के कारण डहरा नाला उफान पर आ गया, जिससे नाले का पानी आसपास के खेतों में घुस गया और लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में लगी मक्का की फसल पूरी तरह बह गई। इस प्राकृतिक आपदा से ग्राम के आदिवासी किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

प्रभावित किसानों में अठई आदिवासी, सत्तू आदिवासी, देवेंद्र गोंड, तंम्मू गोंड, महेश आदिवासी, पहाड़ी आदिवासी, सुरेश आदिवासी सहित अन्य किसान शामिल हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने बड़ी मेहनत और लागत लगाकर मक्का की फसल तैयार की थी, लेकिन अचानक आई तेज बारिश और डहरा नाला में आई बाढ़ के कारण पूरी फसल नष्ट हो गई। खेतों में खड़ी फसल के साथ-साथ कई किसानों की तार फेंसिंग तथा सिंचाई के लिए लगाए गए पाइप भी पानी के तेज बहाव में बह गए। किसानों ने बताया कि इस वर्ष अच्छी उपज की उम्मीद थी, लेकिन प्राकृतिक आपदा ने उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। फसल नष्ट होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। प्रभावित किसान आदिवासी वर्ग से हैं और उनकी आजीविका मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में फसल की बर्बादी से उनके परिवारों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम

तत्काल मौके पर पहुंचकर नुकसान का सर्वेक्षण करे तथा प्रभावित किसानों को शीघ्र उचित मुआवजा और राहत राशि प्रदान की जाए। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते आर्थिक सहायता नहीं मिली, तो आगामी कृषि कार्य करना भी उनके लिए कठिन हो जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए डहरा नाला के आसपास आवश्यक सुरक्षा एवं जल निकासी के स्थायी प्रबंध किए जाएं, ताकि बारिश के दौरान खेतों में पानी भरने और फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों को राहत मिल सके। स्थानीय किसानों को उम्मीद है कि प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र राहत एवं सहायता उपलब्ध कराएगा।

न्यूज विंडो

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत युवा कौशल प्रदर्शनी आयोजित

नरसिंहपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झामर में व्यावसायिक शिक्षा योजना के तहत युवा कौशल प्रदर्शनी का गरिमामय आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर तथा प्लंबिंग ट्रेड के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और तकनीकी समझ का शानदार प्रदर्शन करते हुए आकर्षक पोस्टर एवं कार्यशील प्रोजेक्ट तैयार किए। छात्रों ने उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों के समक्ष अपने-अपने ट्रेड से संबंधित कौशलों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने व स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने बताया कि किस प्रकार यह व्यावसायिक शिक्षा उन्हें भविष्य में रोजगारोन्मुखी बनाने और स्वावलंबी जीवन जीने में सहायक सिद्ध होगी। इस सफल आयोजन में विद्यालय की प्राचार्य लावण्या नीलमंडी मिश्रा, शिक्षक यशवंत पटेल, लखन पटेल, निशिकांत निखरा, पूनम जाट, सुश्री अंजली रैकवार तथा व्यावसायिक प्रशिक्षक श्री दीपक रिछारिया एवं मनोज झारिया सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

विधिक साक्षरता शिविर में विद्यार्थियों को दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती ऊषाकांता कृषाण के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा श्रीमती स्मृति सोनी ने की। शिविर को संबोधित करते हुए श्रीमती स्मृति सोनी ने छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम तथा नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना-2015) की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ भी बच्चों के अधिकारों और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक बच्चे को जीवन, सुरक्षा, शिक्षा, पौष्टिक आहार, आवास, उचित जीवन स्तर और स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने कहा कि बच्चों को किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण एवं हिंसा से सुरक्षित रखना समाज और शासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। भारतीय संविधान एवं विभिन्न कानूनों में भी बाल संरक्षण के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम का उल्लेख करते हुए बताया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से रोजगार कराना प्रतिबंधित है और ऐसा करना दंडनीय अपराध है। 0उपस्थित छात्राओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक सहायता योजना की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि पात्र व्यक्तियों को न्यायालयीन प्रकरणों में निःशुल्क अधिवक्ता एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी न्याय प्राप्त कर सकें।

गांव कुडारी में हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं पर जानलेवा हमला

पिता-पुत्र पर शराबियों ने किया हमला, लोहे की रॉड से फोड़ा सिर, आरोपियों पर केस दर्ज

सागर। दोपहर मेट्रो

कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव कुडारी में हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। मंदिर परिसर में विश्राम के दौरान हुए विवाद में आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर एक कांवड़िए का सिर फोड़ दिया। घटना में घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, राजा बेलहरा निवासी 45 वर्षीय कोमल पटेल अपने बेटे के साथ हरिद्वार से कांवड़ लाकर महादेव घाट जा रहे थे। रास्ते में दोनों ग्राम कुडारी स्थित मंदिर परिसर में कुछ देर विश्राम के लिए रुके। आरोप है कि इसी दौरान मंदिर के पास शराब पी रहे कुछ लोगों से उनकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

रॉड और लाठी-डंडों से किया हमला

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने आपा खो दिया और कांवड़ियों पर हमला बोल दिया। लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से किए गए इस हमले में कोमल पटेल के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उनके साथ मौजूद अन्य लोग भी घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

कैंट थाना पुलिस की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों रत्नेश जैन, राजेश यादव और राजेंद्र साहू के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और जल्द ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कटनी में पांच राशन दुकान संचालकों पर गड़बड़ी के चलते प्रकरण दर्ज

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी जिले में खाद्य आपूर्ति विभाग ने जिले की उचित मूल्य दुकानों पर औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान कई दुकानों में अनियमित संचालन, पात्र हितग्राहियों को कम राशन वितरण और स्टॉक में गड़बड़ी मिलने पर पांच विक्रेताओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

परासई कार्यालय में की गई कार्रवाई, आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार

आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते ग्राम पंचायत सहायक सचिव सागर लोकायुक्त के हत्थे चढ़ा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के परासई ग्राम में ग्राम पंचायत सहायक सचिव को सागर लोकायुक्त टीम ने 8,000 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पर भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रधानमंत्री आवास की तीसरी किस्त जारी करने और कुटीर की लोकेशन सही कराने के नाम पर 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा है । बता दें तेजगढ़ क्षेत्र में तीन महीने बाद यह दूसरी कार्रवाई है इसके पहले 11 मई को ग्राम पंचायत तेजगढ़ में पंचायत सचिव जुगराज सिंह लोधी 6000 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त ने पकड़ा था यहां पर पीएम आवास की किश्त जारी 15000 हजार की मांग की गई थी तेजगढ़ में चौकीदार गुड्डा रैकवार को सह आरोपी बनाया था

मामला जबेरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत परासई का है जहां पर रोजगार सहायक सचिव राजेश सिंह लोधी पर प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किस्त जारी करने और जियो टैगिंग के बदले आवेदक से रिश्वत मांगने का आरोप है आवेदक ने इसकी शिकायत लोकायुक्त सागर में की थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई परासई माल निवासी संजू रैकवार ने बताया कि उनकी प्रधानमंत्री आवास की कुटीर स्वीकृत हुई थी। इसकी दो किस्तें जारी हो चुकी थीं और तीसरी किस्त जारी होनी थी। रोजगार सहायक राजेश सिंह लोधी ने तीनों किस्तों के लिए 30,000 रुपए की मांग की थी शिकायतकर्ता संजू रैकवार के अनुसार वह पहले ही सहायक सचिव को 22,000 रुपए दे चुके थे और तीसरी किस्त के लिए 8,000 रुपए देने थे चूंकि वह यह रिश्वत राशि नहीं देना चाहते थे उन्होंने 13 जुलाई को सागर लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई। बीते दिन जब वह 8,000 रुपए लेकर पंचायत कार्यालय पहुंचे, तो लोकायुक्त पुलिस ने ग्राम पंचायत सहायक सचिव राजेश सिंह लोधी को पकड़ लिया लोकायुक्त डीएसपी कमल सिंह उइके ने पुष्टि की कि पीड़ित संजू रैकवार ने प्रधानमंत्री आवास की तीसरी किस्त के लिए रोजगार सहायक सचिव राजेश सिंह लोधी द्वारा पैसे मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी।

जबलपुर से ही हैं सड़क मंत्री लेकिन सड़क के अभाव में ठेले पर ले जाना पड़ा बच्ची का शव

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

अब इसे विडंबना कहें या सिस्टम की दुर्दशा कि जिस क्षेत्र से सड़क मंत्री लोक निर्माण मंत्री हों, उस क्षेत्र में ही सड़क के अभाव में ठेले पर लोगों को शव ले जाने मजबूर होना पड़ा। दरअसल,जबलपुर में 11 साल की बच्ची का शव गांव तक पहुंचाने के लिए सड़क नहीं मिली, तो ग्रामीणों को हाथ ठेले का सहारा लेना पड़ा। शहर से 50 किमी दूर मोठार गांव में जर्जर और कीचड़ भरी सड़क में शव वाहन फंस गया, जिसके बाद मासूम की अंतिम यात्रा हाथ ठेले पर पूरी करनी पड़ी।जानकारी के मुताबिक, ग्राम मोठार निवासी रामस्वरूप मरावी की 11 वर्षीय बेटी माया मरावी का इलाज मेडिकल कॉलेज जबलपुर में चल रहा था। उपचार के

दौरान उसकी मौत हो गई। एक तरफ यह भी कहा जा रहा है की राह में बहुत अधिक कीचड़ होने के कारण और अन्यत्र कोई रास्ता न होने के कारण ठेले का सहारा लेना पड़ा वहीं दूसरी ओर ठीक सड़क न होने की भी बात उठ रही है।

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी मध्यप्रदेश, भोपाल

0755-2772262

क्रमांक 9478/एन.ए.डी.सी.पी./ 2026-27/ भोपाल, दिनांक 27.7/2026

ई-निविदा सूचना

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से निर्माता फर्म अथवा अधिकृत डीलर से भारत सरकार की योजनाओं हेतु डिस्पोजेबल सामग्री (डिस्पोजेबल सिरिंज विदआउट निडिल 10 एम.एल., डिस्पोजेबल सिरिंज विदआउट निडिल 5 एम.एल.. डिस्पोजेबल निडिल 16 गाँज 1.5'', डिस्पोजेबल निडिल 18 गाँज 1.5'', डिस्पोजेबल निडिल 20 गाँज 1'', डिस्पोजेबल लेटेस्ट सर्जिकल ग्लब्स नं 6.5. डिस्पोजेबल लेटेस्ट सर्जिकल ग्लब्स नं 7.5, बफेन्ट केप, फेस मास्क, नाइट्राइल एग्जामिनेशन ग्लव्स मीडियम एवं नाइट्राइल एग्जामिनेशन ग्लव्स लार्ज) आदि के लिए e-procurement प्रणाली के माध्यम से भारत सरकार के GeM Portal https://gem.gov.in पर ऑनलाईन ई निविदा आमंत्रित की जाती है।

विवरण	निविदा जारी करने का दिनांक	निविदा राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र जमा करने का अंतिम दिनांक
विभागीय पशु चिकित्सा संस्थाओं के उपयोग हेतु ई-टेण्डर के माध्यम से आवश्यक डिस्पोजेबल सामग्री हेतु निर्माता फर्म अथवा अधिकृत डीलर से (डिस्पोजेबल सिरिंज विदआउट निडिल 10 एम.एम., डिस्पोजेबल सिरिंज विदआउट 5 एम.एम., डिस्पोजेबल निडिल 16 गाँज 1.5'', डिस्पोजेबल निडिल 18 गाँज 1.5'', डिस्पोजेबल निडिल 20 गाँज 1'', डिस्पोजेबल लेटेस्ट सर्जिकल ग्लब्स नं 6.5. डिस्पोजेबल लेटेस्ट सर्जिकल ग्लब्स नं 7.5. बफेन्ट केप, फेस मास्क, नाइट्राइल एग्जामिनेशन ग्लव्स मीडियम एवं नाइट्राइल एग्जामिनेशन ग्लव्स लार्ज) आदि के लिए ई निविदा आमंत्रित की जाती है।	04.08.2026	As per GeM Portal	As per GeM Portal	25.08.2026 शाम 5.30 तक

1. निविदा का अनुमानित मूल्य राशि रु 12 करोड होगा।
2. निविदा से संबंधित शेष जानकारी एवं किसी भी संशोधन होने की स्थिति में उक्त संशोधन https://gem.gov.in अपलोड किया जाएगा।

संचालक
पशुपालन एवं डेयरी मध्यप्रदेश

जी-16481/26

मेट्रो एंकर

डीआईजी ग्रामीण ने किया पुलिस लाइन का वार्षिक निरीक्षण

सैनिक सम्मेलन में सुनीं पुलिसकर्मियों की समस्याएं, निराकरण के निर्देश

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने पुलिस लाइन धार का वार्षिक निरीक्षण किया। पुलिस लाइन आगमन पर सलामी गार्ड द्वारा उन्हें विधिवत सलामी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर द्वारा डीआईजी मनोज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा (भा.पु.से.) को नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान की थीम पर आधारित बैज लगाए गए। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर डीआईजी का स्वागत किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया।

वार्षिक निरीक्षण के दौरान आयोजित सैनिक सम्मेलन में डीआईजी मनोज कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को गंभीरतापूर्वक सुना और उनके त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सैनिक सम्मेलन को संबोधित करते

हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में पुलिस और समाज की साझी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अपने उद्बोधन में डीआईजी मनोज कुमार सिंह ने कहा पुलिस का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से मुक्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अनुशासन, संवेदनशीलता, जनसेवा एवं उच्च कार्य संस्कृति के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले उप निरीक्षक लोकेश चौधरी (थाना पीथमपुर) एवं उप निरीक्षक कमल किशोर चौहान (थाना कानवन) को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। डीआईजी ने दोनों अधिकारियों की दीर्घ और उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके सुखद जीवन की कामना की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई एवं स्वल्पाहार का आयोजन किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की पदकों की चमक बरकरार

सीमा ने ब्रॉन्ज मेडल तो लवप्रीत ने जीता सिल्वर

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में जारी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। शनिवार को भारत के लिए दो और पदक आए, जब स्टार वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने पुरुषों के +110 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता, जबकि महिला डिस्कस थ्रो स्पर्धा में सीमा कलीरामना ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इन दो पदकों के साथ भारत के खाते में अब कुल 16 मेडल हो चुके हैं, जिनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

सीमा कलीरामना ने एथलेटिक्स में दिलाया पहला पदक | भारतीय एथलेटिक्स दल के लिए भी दिन यादगार रहा। महिला डिस्कस थ्रो के फाइनल में सीमा कलीरामना ने 58.65 मीटर का शानदार थ्रो करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उनके इस प्रदर्शन ने एथलेटिक्स में भारत का पदकों का खाता खोला और टीम के आत्मविश्वास को नई मजबूती दी।

महज एक किलो से चूका गोल्ड, लवप्रीत ने जीता दिल

पुरुषों के +110 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में लवप्रीत सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 388 किलोग्राम वजन उठाया। उन्होंने स्नैच राउंड में 176 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 212 किलोग्राम का सफल प्रयास किया। मुकाबले के शुरुआती चरण में लवप्रीत बढ़त बनाए हुए थे और स्नैच के बाद न्यूजीलैंड के डेविड लिटी उनसे 10 किलोग्राम पीछे थे। हालांकि क्लीन एंड जर्क के दूसरे प्रयास में डेविड लिटी ने 223 किलोग्राम का भार उठाकर नया कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बना दिया। इसके साथ उनका कुल स्कोर 389 किलोग्राम पहुंच गया और उन्होंने केवल 1 किलोग्राम के अंतर से गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। लवप्रीत को सिल्वर से संतोष करना पड़ा, लेकिन उनका प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट की सबसे रोमांचक भिड़ंतों में शामिल रहा।

गोल्ड नहीं जीत पाया, लेकिन और मजबूत वापसी करूंगा

सिर्फ एक किलो के अंतर से गोल्ड चूकने के बाद लवप्रीत सिंह ने अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि गोल्ड मेडल से चूकने का दर्द जरूर है, लेकिन यही अनुभव उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह अपनी कमियों को दूर कर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। लवप्रीत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच विजय शर्मा, भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अधिकारियों, भारत सरकार और भारतीय नौसेना के कैप्टन विजय कुमार को दिया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास की बदौलत ही वह इस स्तर तक पहुंच सके हैं।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के 12 वेन्यू का ऐलान

57 मुकाबलों में दिखेगा क्रिकेट का महासंग्राम

24 साल बाद अफीका में विश्व कप का महाकुंभ

दक्षिण अफीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे मेजबानी

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने 2027 पुरुष वनडे विश्व कप के लिए मेजबान देशों और मैचों के वेन्यू की आधिकारिक घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के मुकाबले कुल 12 स्टेडियमों में खेले जाएंगे। यह विश्व कप 24 साल बाद दक्षिण अफ्रीका की धरती पर लौट रहा है। इससे पहले वर्ष 2003 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने संयुक्त रूप से वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी।

जोहानिसबर्ग में आयोजित भव्य समारोह में तीनों मेजबान देशों के वेन्यू का अनावरण किया गया। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ, मखाया एनटिनी, हाशिम अमला, तेम्बा बावुमा और कगिसो रबाडा के अलावा जिम्बाब्वे के हैमिल्टन मासाकाद्जा और नामीबिया के रुडोल्फ जानसेन वान वुरेन भी मौजूद रहे।

तीनों देशों में फैले होंगे विश्व कप के मुकाबले- विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका के आठ स्टेडियम चुने गए हैं। इनमें जोहानिसबर्ग का वांडरर्स स्टेडियम, सेंचुरियन का सुपरस्पोर्ट पार्क, केपटाउन का न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड, डरबन का किंग्समीड, गकेबेर्हा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, क्रीज स्पोर्ट्स क्लब (बुलावायो) और फाले मोसी-ओआ-टुन्या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (विक्टोरिया फॉल्स) मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, नामीबिया की राजधानी विंडहोक स्थित नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पहली बार विश्व कप

नए फॉर्मेट से बढ़ेगा टूर्नामेंट का रोमांच

आईसीसी ने 2027 विश्व कप के लिए नया और अधिक प्रतिस्पर्धी प्रारूप भी लागू किया है। पूरे टूर्नामेंट में 57 मुकाबले खेले जाएंगे। शुरुआत सुपर सीरीज से होगी, जिसमें रैंकिंग में 12वें से 14वें स्थान पर रहने वाली तीन टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में भिड़ेंगी। विजेता टीम मुख्य चरण में प्रवेश करेगी। इसके बाद 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटकर लीग चरण खेला जाएगा। दोनों ग्रुप की शीर्ष तीन-तीन टीमें और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम सुपर-7 चरण में पहुंचेगी। इस चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी और विजेता टीमें फाइनल में आमने-सामने होंगी।

बेबी बॉस पर छिड़ी बड़ी बहस, दिग्गज ने ठोकी मजबूत दावेदारी

15 साल का बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी बनेगा भारत के लिए वर्ल्ड कप ट्रंप कार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

महज 15 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में पहचान बना चुके वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट में नई बहस का केंद्र बन गए हैं। शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें 2027 एकदिवसीय विश्व कप की संभावित टीम में शामिल करने की चर्चा तेज हो गई है। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज फारुख इंजीनियर ने साफ कहा है कि वैभव को अब एकदिवसीय टीम में मौका देने का यही सही समय है। हालांकि, क्रिकेट विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि टी20 की सफलता के आधार पर किसी खिलाड़ी को सीधे वनडे क्रिकेट के लिए तैयार मान लेना जल्दबाजी होगी।

88 वर्षीय फारुख इंजीनियर का मानना है कि टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट के बीच अंतर को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। उनका कहना है कि अच्छी गेंद और खराब गेंद हर प्रारूप में एक जैसी होती है और जो बल्लेबाज रन बनाना जानता है, वह किसी भी प्रारूप में सफल हो सकता है। इंजीनियर ने कहा कि वैभव के पास पारी की शुरुआत करने का आत्मविश्वास है और उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी मैच का रुख बदल सकती है। उनका मानना है कि वैभव जितने मुकाबले अपने दम पर जिताएंगे, उससे कहीं कम मैचों में जोखिम साबित होंगे। यदि वह शुरुआती ओवरों में तेज रन बना देते हैं तो मध्यक्रम के बल्लेबाजों को पारी संभालने और बड़ा स्कोर खड़ा करने का पर्याप्त समय मिल जाएगा।

फारुख इंजीनियर बोले- बल्लेबाजी का हुनर हर प्रारूप में चलता है

ज्यादा कोचिंग से बचाइए

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने वैभव की प्राकृतिक प्रतिभा की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी छोटी लंबाई की गेंद मिलने पर वैभव उसे आसानी से सीमा रेखा के बाहर पहुंचाने की क्षमता रखते हैं। उनके अनुसार युवा बल्लेबाज अपनी गलतियों से सीख रहा है और लगातार परिपक्व भी हो रहा है। इंजीनियर ने सलाह दी कि वैभव पर जरूरत से ज्यादा तकनीकी बदलाव थोपने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। उनका मानना है कि युवा खिलाड़ी को अपने स्वाभाविक खेल के साथ आगे बढ़ने देना ही उसके विकास के लिए बेहतर होगा।

लेकिन वनडे क्रिकेट की चुनौती अलग

हालांकि, कई क्रिकेट जानकारों का मानना है कि टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट की मांग पूरी तरह समान नहीं होती। टी20 में 30 या 40 गेंदों की तेज पारी मैच का परिणाम बदल सकती है, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट में कई बार बल्लेबाज को 100 से अधिक गेंदों तक टिककर खेलना पड़ता है। वनडे में बल्लेबाज को केवल तेजी से रन बनाना ही नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार अपनी बल्लेबाजी बदलनी होती है। यदि शुरुआती विकेट जल्दी गिर जाएं तो उसे संयम के साथ पारी संभालनी पड़ती है। वहीं मजबूत शुरुआत मिलने पर बीच के ओवरों में साझेदारी बनाकर अंत में फिर से आक्रामक खेल दिखाना होता है।

तीन अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं

एकदिवसीय क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी टी20 की तुलना में कहीं अधिक होती है। नई गेंद का सामना करने के बाद उसे स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ रन गति बनाए रखनी होती है, स्ट्राइक बदलनी होती है और अंत में तेजी से रन भी जुटाने होते हैं। यानी एक ही पारी में बल्लेबाज को कई तरह की भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अब तक यह साबित किया है कि वह मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन लंबी पारी खेलने और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की उनकी क्षमता की परीक्षा अभी बाकी है।

चयनकर्ताओं के सामने बड़ी चुनौती

भारतीय टीम प्रबंधन के पास 2027 विश्व कप से पहले पर्याप्त समय है। ऐसे में चयनकर्ता यदि वैभव को घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट, भारत-ए के दौरों और कुछ अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मुकाबलों में अवसर देते हैं तो उनके खेल का बेहतर आकलन किया जा सकेगा। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि वह केवल आक्रामक शुरुआत देने वाले बल्लेबाज हैं या जरूरत पड़ने पर लंबी और जिम्मेदारी भरी पारी भी खेल सकते हैं।

हर चीज की भगवा ब्रांडिंग क्यों?

भारतीय हॉकी की नई जर्सी पर भड़के परगट और पिल्लै

नई दिल्ली। हॉकी विश्व कप से पहले भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की नई केसरिया जर्सी को लेकर विवाद तेज हो गया है। भारतीय हॉकी के दिग्गज पूर्व कप्तान परगट सिंह और महान फॉरवर्ड धनराज पिल्लै ने जर्सी के रंग में बदलाव पर कड़ा विरोध जताया है। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि भारतीय हॉकी की पहचान दशकों से नीली जर्सी रही है और अचानक बदलाव से खेल की पारंपरिक पहचान प्रभावित होगी।

15 अगस्त से नीदरलैंड और बेल्जियम में शुरू होने वाले हॉकी विश्व कप से पहले हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की नई केसरिया जर्सी जारी की है। इस बदलाव पर पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा ने भी सवाल उठाए थे। इसके बाद हॉकी इंडिया ने सफाई देते हुए कहा था कि जर्सी में बदलाव तकनीकी कारणों और खिलाड़ियों व कोचों के सुझावों के आधार पर किया गया है। भारत के लिए 339 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले धनराज पिल्लै ने कहा कि भारतीय हॉकी का गौरव और इतिहास नीली जर्सी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि केसरिया रंग तिरंगे का अहम हिस्सा है, लेकिन भारतीय हॉकी की पहचान इससे नहीं रही है। धनराज ने कहा कि ध्यानचंद, मोहम्मद शाहिद, जफर इकबाल और 1980 की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टीम तक सभी खिलाड़ियों ने नीली जर्सी में देश का प्रतिनिधित्व किया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

अभिनय के बाद नई पारी में सोनाली बेंद्रे, फिल्म सोलह से बनीं प्रेजेंटर; बोलीं- दिल को छू गई कहानी

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहना चाहतीं। वर्षों तक अपनी खूबसूरती और दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब उन्होंने सिनेमा में एक नई जिम्मेदारी संभालने का फैसला किया है। सोनाली फिल्म %सोलह% के साथ बतौर प्रेजेंटर अपनी नई पारी की शुरुआत कर रही हैं। उनका कहना है कि यह केवल एक नई भूमिका नहीं, बल्कि उन कहानियों को दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश है जो लंबे समय तक लोगों के दिल और दिमाग में अपनी छाप छोड़ती हैं।

सोनाली बेंद्रे ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार सोलह की कहानी सुनी तो वह उससे गहराई से जुड़ गईं। उनके मुताबिक यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर करती है। उन्होंने कहा कि कुछ कहानियां ऐसी होती हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी मन में बनी रहती हैं और %सोलह% उन्हीं में से एक है। यही वजह रही कि उन्होंने इस फिल्म के साथ अपने नए सफर की शुरुआत करने का फैसला किया।

अभिनेत्री ने कहा कि सोलह उम्मीद, साहस और आम लोगों के भीतर छिपी उस ताकत की कहानी है, जिस पर अक्सर चर्चा नहीं होती। उन्होंने बताया कि जीवन में बीमारी और संघर्ष के दौर से गुजरने के बाद उन्होंने उम्मीद और हिम्मत का वास्तविक महत्व समझा है। ऐसे में इस फिल्म का संदेश उनके अपने जीवन के अनुभवों से भी मेल खाता है। उनका मानना है कि यही बात इस फिल्म को उनके लिए और भी खास बनाती है।

नई प्रतिभाओं को देना चाहती हैं मंच

सोनाली का कहना है कि बतौर प्रेजेंटर उनका उद्देश्य सिर्फ फिल्मों को प्रमोट करना नहीं, बल्कि उन नए कहानीकारों और निर्देशकों को मंच देना भी है जिनकी कहानियां लोगों तक अभी तक नहीं पहुंच पाई हैं। उन्होंने कहा कि वह आगे भी ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी जो समाज और दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ें और भावनात्मक रूप से उन्हें जोड़ सकें। रोज मूवीज और कैरीऑन पिक्चर्स के बैनर तले बनी सोलह 16 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सोनाली बेंद्रे को उम्मीद है कि जिस तरह इस फिल्म ने उन्हें भीतर तक प्रभावित किया, उसी तरह दर्शक भी इसे देखकर भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करेंगे।

दे दे प्यार दे से पहले जयाप्रदा पूरी रात नहीं सो पाई थीं

एक्ट्रेस ने शूटिंग से पहले का एक्सपीरियंस किया शेयर

80 के दशक में बॉलीवुड एक्ट्रेस जया प्रदा ने अपनी मासूमियत और क्लासिक अंदाज से करोड़ों दिलों पर राज किया। सरगम, कोहराम, शराबी जैसी फिल्मों में उनके किरदार आज भी लोगों को याद हैं, लेकिन जया सिर्फ एक्टिंग के लिए ही नहीं, अपने डांस के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट गाने किए, लेकिन शराबी फिल्म का गाना दे दे प्यार दे उनके करियर के सबसे आइकॉनिक गानों में से एक है। इस गाने में अमिताभ बच्चन के साथ उनकी केमिस्ट्री और उनके ग्लैमरस अंदाज को आज भी लोग कॉपी करते हैं। 1984 में रिलीज हुआ गाना दे दे प्यार दे आज भी हर पार्टी और शादी में बजता है, लेकिन पर्दे पर जो चीज इतनी आसान दिखती है, उसके पीछे कितनी मेहनत और टेंशन होती है, यह बात खुद जया प्रदा ने डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर में बताई। वह शो में बतौर गेस्ट पहुंची थीं।

शो के दौरान जब गाने की बात छिड़ी तो जया ने एक ऐसा किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। उन्होंने बताया कि इस गाने को शूट करने से ठीक पहले वाली रात वह बिल्कुल सो नहीं पाई थीं। इसकी वजह थी गाने के लिए मांगा गया उनका मॉडर्न लुक। जया ने कहा, इस गाने में मेरा मीना का किरदार मॉडर्न ड्रेस में दिखता है। उस रात मुझे फिल्म के डायरेक्टर प्रकाश मेहरा ने कहा था कि आपको इस सीक्वेंस में मॉडर्न ड्रेस में रहना होगा। जया उस समय तक ज्यादातर साड़ी और ट्रेडिशनल इंडियन कपड़ों में ही नजर आती थीं। उनकी इमेज एक ट्रेडिशनल हीरोइन की थी। ऐसे में जब डायरेक्टर ने कहा कि इस गाने में उन्हें बिल्कुल अलग, ग्लैमरस और मॉडर्न दिखना है तो वह घबरा गईं और इसे एक बड़े चैलेंज के तौर पर ले लिया।

मेट्रो बाजार

भारत की ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री के वित्त वर्ष 30 तक 10 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत की ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री के वित्त वर्ष 2030 तक लगभग 10 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। इसकी वजह मैन्युफैक्चरर्स द्वारा सेमीकंडक्टर इक्विपमेंट, डिफेंस, एयरोस्पेस और डेटा-सेंटर पावर जेनरेशन जैसे अधिक मार्जिन वाले प्रिसिजन इंजीनियरिंग सेक्टर में अपने कारोबार का विस्तार करना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

यूएस इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि देश की ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री की आय वित्त वर्ष 30 तक 124.4 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है, जो कि वित्त वर्ष 26 में 85.6 अरब डॉलर थी। इस दौरान एबिटडा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। इसकी वजह कंपनियों का ज्यादा मार्जिन वाले कारोबार में विस्तार करना है। इन्वेस्टमेंट बैंक ने कहा कि जैसे-जैसे भारत का ऑटो सेक्टर बदलाव के दौर में प्रवेश कर रहा है, कई मैन्युफैक्चरर्स अपने प्रोडक्ट मिक्स को बदल रहे हैं और मुनाफा बढ़ाने के लिए अपनी मौजूदा क्षमताओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। सप्लाई चेन के जोखिम को कम करने की वैश्विक कोशिशों के कारण सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव और इंडस्ट्रियल खरीदार भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इससे भारतीय प्रिसिजन-मशीनिंग कंपनियों के लिए सेमीकंडक्टर वेफर-फैब्रिकेशन इक्विपमेंट, इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपोनेंट्स, एयरोस्पेस, डिफेंस और डेटा सेंटर पावर जेनरेशन जैसे क्षेत्रों में अवसर पैदा हो रहे हैं।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का मुनाफा दूसरी तिमाही में 1,300 प्रतिशत बढ़ा, एआई चिप मांग से लाभ

सोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गुरुवार को कहा कि 2026 की दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 1,300 प्रतिशत बढ़ गया है। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में इस्तेमाल होने वाले सेमीकंडक्टर की मांग में इजाफा होना है। कंपनी की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि अप्रैल-जून अवधि में उसका मुनाफा 1,299.9 प्रतिशत बढ़कर 71.62 ट्रिलियन वॉन (49.6 अरब डॉलर) हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5.11 ट्रिलियन डॉलर वॉन था।

इस दौरान, ऑपरेटिंग इनकम सालाना आधार पर 1,813.8 प्रतिशत बढ़कर 89.49 ट्रिलियन वॉन हो गई है, जबकि बिक्री सालाना आधार पर 130 प्रतिशत बढ़कर 171.49 ट्रिलियन वॉन हो गई है। दुनिया की सबसे बड़ी मेमोरी चिप निर्माता कंपनी ने लगातार तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड तिमाही आय और परिचालन लाभ दर्ज किया। कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहे। समाचार एजेंसी योनहाप की वित्तीय डेटा इकाई योनहाप इन्फोमैक्स के सर्वे के अनुसार, विश्लेषकों ने औसतन 71.21 ट्रिलियन वॉन के शुद्ध लाभ का अनुमान लगाया था। सामान्य और प्रेफर्ड दोनों तरह के शेयरों के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस) 10,849 वॉन रही, जो पिछली तिमाही की तुलना में 52 प्रतिशत अधिक है। यह ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनियों में सबसे ऊंचे स्तरों में से एक है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय अपनी तकनीकी बढ़त का लाभ उठाते हुए बढ़ती बाजार मांग, खासकर एआई से जुड़े उत्पादों की मांग, को प्रभावी ढंग से पूरा करने को दिया।

मोरक्को की सीमा तोड़कर स्पेन में घुसे हजारों प्रवासी, नौ की मौत

स्यूटा। स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में मोरक्को से हजारों प्रवासी पहुंच गए, जिससे सीमा पर अफरा-तफरी मच गई। सीमा पार करने और समुद्र के रास्ते स्यूटा पहुंचने की कोशिश के दौरान नौ लोगों की मौत हो गई। हालात बिगड़ने के बाद स्यूटा प्रशासन ने स्पेन सरकार से राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर सेना तैनात करने की मांग की है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग ताराजल सीमा और समुद्री तटों के रास्ते स्पेन में दाखिल हुए। इनमें युवा पुरुषों के साथ महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। स्यूटा की सड़कों पर पहुंचे कई प्रवासियों ने 'विवा एस्पाना' के नारे लगाए। स्पेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि मोरक्को के साथ मिलकर स्थिति को नियंत्रित किया जा रहा है और अवैध रूप से प्रवेश करने वालों को वापस भेजने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। बेहतर आर्थिक अवसरों और हिंसा से बचने के लिए यूरोप पहुंचने की कोशिश करने वाले प्रवासियों के लिए स्यूटा लंबे समय से प्रमुख मार्ग बना हुआ है।

दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में घटी घटना, 10 अब भी फंसे

पाक में बड़ा हादसा, कोयला खदान में धमाके में 32 मजदूरों की मौत

इस्लामाबाद. एजेंसी

पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के बाहरी क्षेत्र में स्थित एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट ने बड़ा हादसा पैदा कर दिया। इस दुर्घटना में अब तक कम से कम 32 मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 10 मजदूर अभी भी खदान के भीतर फंसे हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है, लेकिन अंदर की परिस्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण बनी हुई हैं।

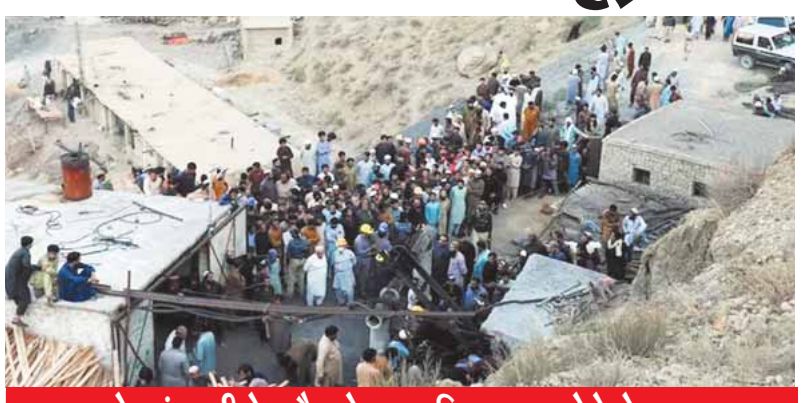

खदान के अंदर मीथेन गैस के अत्यधिक जमा होने से हुआ हादसा

सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि खदान के अंदर मीथेन गैस के अत्यधिक जमा होने से विस्फोट हुआ। हादसे के बाद राहत दल ने सबसे पहले सात मजदूरों के शव बाहर निकाले, जबकि बाद में चार और शव बरामद किए गए। अधिकारियों का कहना है कि जब तक सभी मजदूरों का पता नहीं चल जाता, तब तक बचाव अभियान जारी रहेगा। हालांकि आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। गनी बलोच ने बताया कि मीथेन गैस में विस्फोट होने के बाद खदान के भीतर ऑक्सीजन का स्तर लगभग खत्म हो जाता है। ऐसे में अंदर फंसे लोगों के जीवित बचने की संभावना लगातार कम होती जाती है। इसी कारण बचाव दल बेहद सावधानी के साथ आगे बढ़ रहा है।

क्या सुरक्षा में लापरवाही हुई?

हादसे के बाद कोयला खदान मजदूर यूनियन ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका जताई है। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन ने सरकार से मांग की है कि खदानों में सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

सरकार बोली...

बलूचिस्तान के खान एवं खनिज मंत्री शोएब नोशेरवानी ने बताया कि राहतकर्मी कठिन हालात में बचाव अभियान चला रहे हैं और प्रांतीय सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग दे रही है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रत्येक मृतक के परिजनों को पांच लाख पाकिस्तानी रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसे हादसों से बचने के लिए खदानों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर में बड़ी कार्रवाई, गोली चलाने वाला जवान गिरफ्तार

आत्मसमर्पण के बाद गोली मारने के आरोपों की जांच तेज

आरा. एजेंसी

भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ जवान अक्षय कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि एनकाउंटर के दौरान पहली गोली उसी ने चलाई थी। गुरुवार देर रात तकनीकी जांच और मोबाइल सर्विलांस की मदद से उसकी गिरफ्तारी की गई। भोजपुर एसपी राज ने इसकी पुष्टि की है।

अक्षय कुमार एसटीएफ की विशेष अभियान समूह (एसओजी) टीम में तैनात था और घटना के बाद से जांच में सहयोग नहीं कर रहा था। उसे पहले ही निलंबित किया जा चुका था और उसकी सरकारी पिस्टल भी जब्त कर ली गई थी। पुलिस के अनुसार, निलंबन के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। कुछ दिन पहले ही भरत भूषण तिवारी के परिजनों ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। परिवार ने जवान की गिरफ्तारी को न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मृतक की मां आशा देवी ने 22 जून को शाहपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में तत्कालीन एसडीपीओ, थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया है। परिजनों का आरोप है कि भरत भूषण तिवारी ने आत्मसमर्पण कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। भरत भूषण तिवारी की मां आशा देवी के बयान पर 22 जून को शाहपुर थाने में हत्या, आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी में तत्कालीन जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार, शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार समेत कई पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया है। मृतक के भाई चंदन तिवारी ने दावा किया है कि उन्होंने एसटीएफ जवान अक्षय कुमार को पहली गोली चलाते हुए देखा था। वहीं, परिवार का आरोप है कि घटना वाले दिन भरत के पिता काशीनाथ तिवारी को पूरे दिन थाने में बैठाकर रखा था।

यह था पूरा मामला

17 जून को पुलिस अधिकारियों ने भरत भूषण तिवारी को बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं बताने के लिए अपने साथ ले जाने की बात कही थी। परिजनों के अनुसार, जवइनिया गांव में भरत फेसबुक लाइव के जरिए लोगों की समस्याएं उठा रहे थे। आरोप है कि मांगें रखने के बाद उन्होंने अपना हथियार जमीन पर रखकर आत्मसमर्पण कर दिया था। प्राथमिकी के मुताबिक, आत्मसमर्पण के बावजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें धक्का देकर गिराया और अधिकारियों के आदेश पर गोली चला दी। गंभीर रूप से घायल भरत को पुलिस अपने वाहन से अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले ने पूरे बिहार में राजनीतिक और सामाजिक बहस छेड़ दी थी।

पाकिस्तान की व्यवस्था ढह चुकी है : मोहसिन नकवी

इस्लामाबाद. एजेंसी

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने देश की मौजूदा शासन व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि पाकिस्तान का प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह चरमरा चुका है। इस्लामाबाद में आयोजित पाकिस्तान इकोनॉमिक समिट में उन्होंने कहा कि 70 वर्षों से चली आ रही व्यवस्था अब देश की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने प्रशासनिक सुधारों और नई इकाइयों के गठन की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश पर करीब 137 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है, जबकि सरकारी बजट का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में खर्च हो रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है और अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए पाकिस्तान आईएमएफ, चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि कमजोर कर व्यवस्था, भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और संसाधनों के असमान वितरण ने हालात को और खराब किया है। नकवी के बयान ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान का शीर्ष नेतृत्व भी मौजूदा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की जरूरत महसूस कर रहा है। पाकिस्तान का कुल विदेशी कर्ज 137 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है। इसमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का लगभग 8.8 अरब डॉलर शामिल है। सरकारी बजट का करीब दो-तिहाई हिस्सा पुराने कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च हो जाता है। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घटने से आयात पर भी संकट गहरा गया है। देश अब तक 25 बार आईएमएफ से बेलआउट पैकेज ले चुका है।

प्रशासनिक ढांचे पर उठे सवाल

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने माना कि पाकिस्तान की 70 साल पुरानी शासन व्यवस्था अब अप्रभावी हो चुकी है। देश का कर-से-जीडीपी अनुपात केवल 10-11 प्रतिशत के आसपास है, जिससे सरकारी राजस्व प्रभावित हो रहा है। भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और संसाधनों के असमान वितरण ने प्रशासनिक ढांचे को कमजोर कर दिया है। बेहतर शासन के लिए नए प्रांतों और छोटे प्रशासनिक ब्लॉकों के गठन की मांग लंबे समय से उठती रही है। नकवी का बयान इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान में व्यापक प्रशासनिक सुधारों की जरूरत अब राष्ट्रीय बहस का विषय बन चुकी है।

चीन की जासूसी में पकड़ा गया फ्रांसीसी नौसेना का पायलट

पेरिस. एजेंसी। फ्रांसीसी नौसेना के पूर्व पायलट पियरे हेनरी शुएट को चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में फ्रांस में हिरासत में लिया गया।

खबरों के अनुसार, पायलट पर संवेदनशील सैन्य सूचनाएं चीन भेजने का आरोप है। आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। फिलहाल उसे छोड़ दिया गया है, हालांकि, उस पर नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि शुएट वही पायलट है, जिसने आपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के कई राफेल लड़ाकू विमानों के पाकिस्तान के चीनी लड़ाकू विमानों के हाथों नुकसान का दावा किया था। इसके साथ ही उसने चीनी लड़ाकू विमानों, जे-10सी और जेएफ-17 की तारीफ भी की थी। उसने इन विमानों को राफेल किलर भी बताया था।

रिवॉल्वर रानी का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल, पुलिस ने पिस्टल के साथ किया गिरफ्तार

पटना. एजेंसी

बिहार के दगभंगा जिले में एक महिला को पिस्टल के साथ वीडियो बनाना भारी पड़ गया। महिला ने एक डांस वीडियो बनाया जिसमें वो अपनी साड़ी से रिवॉल्वर निकालकर मजे से डांस कर रही है। जब ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो इसकी भनक घनश्यामपुर पुलिस को लगी और पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला के पास से पुलिस ने पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं।

घनश्यामपुर पुलिस को जब इस महिला और उसके वीडियो की खबर पता चली तो कार्रवाई करते हुए महिला के घर छापेमारी की गई। पुलिस ने उसके घर से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, अतिरिक्त मैगजीन और एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जहां उससे पूछताछ की जा रही है कि ये पिस्टल उसे कहां से मिली और इसमें किसका हाथ है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभाकर तिवारी ने बताया कि 29 जुलाई को घनश्यामपुर थाना के सरकारी नंबर पर एक वीडियो प्राप्त हुआ था, जिसमें एक महिला पिस्टल के साथ डांस करती दिखाई दे रही थी।

दोपहर मेट्रो जमानत के लिए जज से संपर्क की कोशिश, न्यायमूर्ति सुनवाई से हटे

हाईकोर्ट ने कहा- कोर्ट के इतिहास का काला दिन आज

प्रयागराज. एजेंसी

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने जमानत अर्जी पर आदेश जारी करने से पहले स्वयं को सुनवाई से अलग कर लिया। उन्होंने अन्य पीठ नामित करने के लिए 80 जमानत अर्जियां मुख्य न्यायमूर्ति को भेजने का आदेश दिया।

यह जमानत अर्जियां कोडीन युक्त सीरप मामले में गिरफ्तार आरोपितों की तरफ से दायर की गई हैं। दरअसल पक्षकार ने न्यायमूर्ति से संपर्क करने की कोशिश की थी। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा- इतिहास का यह काला दिन है। न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए।

सभी मामलों की सुनवाई अब सात अगस्त 2026 को होगी। अदालत में भोला प्रसाद जायसवाल व अन्य की जमानत अर्जी पर गुरुवार को सुबह 10 बजे सुनवाई शुरू होनी थी। याची आरोपितों के वकीलों के साथ ही राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी और एजीए (प्रथम) परितोष कुमार मालवीय तथा नितेश श्रीवास्तव उपस्थित थे। सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने कहा कि सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रखा जा सकता था, लेकिन बाद में वादकारी पक्षों द्वारा पीठासीन न्यायाधीश तक पहुंच बनाने और संपर्क स्थापित करने के प्रयास किए गए। अदालत ने कहा कि यह न्यायिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है और अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो न्यायपालिका में जनता का भरोसा कमजोर होगा।

कोर्ट ने वकीलों और वादकारियों को दी चेतावनी

अपने आदेश में न्यायमूर्ति पहल ने कहा कि अगर फैसला उसी पक्ष के हक में आता जिसका पक्ष सुनवाई में मजबूत लग रहा था तो इससे यह गलत धारणा बन सकती थी कि फैसला बाहरी दबाव में दिया गया। कोर्ट ने वकीलों और वादकारियों को चेतावनी दी कि न्यायिक स्वतंत्रता विशेषाधिकार नहीं बल्कि हर नागरिक को मिला संवैधानिक अधिकार है और इसे कमजोर करने की किसी भी कोशिश की सख्त निंदा की जानी चाहिए।

उल्लेखीय है कि सबसे पहले आरोपितों ने प्राथमिकी रद किए जाने के लिए याचिकाएं दाखिल की थीं, मगर इन याचिकाओं को हाई कोर्ट की तीन अलग अलग खंडपीठों और लखनऊ बेंच की एक खंडपीठ खारिज कर चुकी है। इसके बाद अग्रिम जमानत पाने के लिए अर्जियां दाखिल की गईं। इन अग्रिम जमानत याचिकाओं पर भी किसी भी वादकारी को राहत नहीं मिली और गिरफ्तारियां जारी रहीं। इसके बाद नियमित जमानत के लिए याचिकाएं दाखिल की गई। चार आरोपितों की नियमित जमानत याचिकाएं हाई कोर्ट की अलग अलग पीठों द्वारा खारिज की जा चुकी हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564